रजिस्ट्री सं. डीएल(एन)-04/0007/2003--05 REGISTERED No. DL(N)-04/0007/2003—05

सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 46] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 15—नवम्बर 21, 2014 (कार्तिक 24, 1936)

No. 46] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 15—NOVEMBER 21, 2014 (KARTIKA 24, 1936)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

	पृष्ठ सं.
भाग I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं.	1233
भाग I—खण्ड-2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.	993
भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.	1
भाग I—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.	2017
भाग II—खण्ड-1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम.	*
भाग II—खण्ड-1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ.	*
भाग II—खण्ड-2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट.	*
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं).	*
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं.	*
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं).	*
भाग II—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश.	*
भाग III—खण्ड-1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.	1369
भाग III—खण्ड-2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेन्टों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस	*
भाग III—खण्ड-3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.	*
भाग III—खण्ड-4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं.	7085
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस.	1307
भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूरक.	*

*आंकड़े प्राप्त नहीं हुए।

CONTENTS

	Page No.
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1233
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	993
PART I—SECTION 3—Notifications relating to resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	1
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	2017
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi language, of Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	1369
PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	*
PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	7085
PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	1307
PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*

*Folios not received.

भाग I — खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 अगस्त 2014

संख्या 73-प्रेज/2014- राष्ट्रपति अति असाधारण वीरतापूर्ण कार्यों के लिए निम्नलिखित व्यक्ति को "अशोक चक्र" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं:-

1. आईसी-72861एम मेजर मुकुन्द वरडराजन ,दि राजपूत रेजिमेंट/44वीं बटालियन, दि राष्ट्रीय राईफल्स (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीखः 25 अप्रैल, 2014)

25 अप्रैल, 2014 को मेजर मुकुन्द वरडराजन, कम्पनी कमांडर को जम्मू और कश्मीर के शोपियां जिले के गांव में तीन आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में सूचना प्राप्त हुई। इस समूह ने एक दिन पहले ही पोलिंग अधिकारियों को लक्ष्य बनाया था। मेजर मुकुन्द ने प्रभावपूर्ण घेराबंदी में टुकडियों की तैनाती करके तेजी से कार्रवाई की और लक्षित घर से सिविलियनों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

मेजर मुकुन्द ने स्वयं विध्वंसक दल का नेतृत्व किया और आतंकवादियों की गोलीबारी का निडरता से सामना करते हुए लक्षित घर का विध्वंस किया। इस आक्रामक कार्रवाई से आतंकवादियों को परिसर के बाहर स्थित घर में जाने के लिए विवश कर दिया।

मेजर मुकुन्द ने अपने साथियों के साथ अत्यंत साहस का प्रदर्शन करते हुए आतंकवादियों का पीछा किया और बहिर्गृह में छुपे आतंकवादियों के समीप पहुंच गए। अधिकारी ने सीमेंट के बहिर्गृह के अंदर एक ग्रेनेड दागा जिससे एक आतंकवादी तत्काल मारा गया जबकि वे स्वयं खुले में खड़े थे। बहिर्गृह में मौजूद अन्य आतंकवादी ने अंधाधुंध स्वचालित गोलीबारी शुरू कर दी जिससे मेजर मुकुन्द गंभीर रूप से घायल हो गए। हालांकि अत्यधिक खून बह रहा था, अपनी गंभीर चोट की परवाह किए बगैर और अत्यधिक उत्कृष्ट साहस का प्रदर्शन करते हुए यह अधिकारी रेंगते हुए आगे बढ़ा, गोलीबारी की और दूसरे आतंकवादी को ढेर कर दिया। आतंकवादी के मारे जाने से लोकतंत्र और भारतीय सेना में जनता का विश्वास पुनः बहाल हुआ। जिला कमांडर के मारे जाने से तंजीम को गहरा आघात पहुंचा। मेजर मुकुंद वरडराजन को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया गया परंतु वे गंभीर रूप से घायल होने के कारण शहीद हो गए।

मेजर मुकुन्द वरडराजन ने अति असाधारण वीरता और असाधारण नेतृत्व का प्रदर्शन किया और आतंकवादियों से संघर्ष करते समय सर्वोच्च बलिदान दिया।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

संख्या74 -प्रेज/2014- राष्ट्रपति वीरतापूर्ण कार्यों के लिए निम्नलिखित व्यक्तियों को "शौर्य चक्र" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं:-

1. 5048243एक्स लांस नायक भरत कुमार क्षेत्री, 3/1वीं बटालियन दि गोरखा राईफल्स

(पुरस्कार की प्रभावी तारीखः 05 सितम्बर, 2013)

05 सितम्बर, 2013 को 0300 बजे चार आतंकवादियों और चार पाकिस्तानी सैनिकों के एक 'सीमा कार्यदल' ने जम्मू और कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर स्थित सामरिक रूप से महत्वपूर्ण चौकी 'अब्दुल हट' पर हमला करने का प्रयास किया। हस्त चालित थर्मल इमेजर के जरिए पाकिस्तानी दल का पता लगने पर उसका पीछा किया गया। लांस नायक भरत कुमार क्षेत्री ने रॉकेट लांचर को संभालते हुए निडरतापूर्वक खुले में खड़े होकर और अदम्य साहस एवं शस्त्र पर पूर्ण नियंत्रण रखते हुए, कॉलम पर उच्च विस्फोटक रॉकेट दागा और हमलावर दल पर आक्रमण किया। हमलावर दल तत्काल बिखर गया। इस समूह का 0500 बजे पीछा किया गया जब उससे पुनः सामना हुआ। लांस नायक भरत ने भांप लिया कि कॉलम बच निकल सकता है और स्वयं पर उत्पन्न व्यक्तिगत खतरे की परवाह किए बिना, शत्रु की प्रभावपूर्ण गोलीबारी में वीरतापूर्वक गोलीबारी का मोर्चा बेहतर संभाला। खुले मोर्चे से की गई उनकी दूसरी

गोलीबारी अपने लक्ष्य तक पहुंची। गोलीबारी में उनके साहस, अटूट वीरता, दृढ़ शक्ति और युद्ध के मैदान में कौशल से शत्रु का हमला विफल हो गया और एक विदेशी आतंकवादी और एक पाकिस्तानी हवलदार मारे गए जिसकी हमारी आसूचना एजेंसियों द्वारा पुष्टि की गई।

लांस नायक भरत कुमार क्षेत्री ने असाधारण अटूट साहस, धैर्य का परिचय दिया और आतंकवादियों से युद्ध करते समय शत्रु का सामना करते हुए अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की बिल्कुल भी परवाह नहीं की।

2. 4368146 के नायक अन्सेग्रा वासुमतारी, 5वीं बटालियन दि आसाम रेजिमेंट

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 22 सितंबर, 2013)

22 सितम्बर, 2013 को आतंकवादियों के घुसपैठ करने के मार्ग को कवर करने के लिए तीन घात दलों की तैनाती की गई थी। नायक अन्सेग्रा वासुमतारी को जम्मू और कश्मीर के कूपवाड़ा जिले के लशदत नार क्षेत्र में गूच्ची-III स्थित घात टुकड़ी में तैनात किया गया था। 23 सितम्बर, 2013 को 0655 बजे घात टुकड़ी को 200 मीटर आगे कुछ संदिग्ध आवाजाही दिखाई दी। समग्र घात दल सतर्क हो गए। आतंकवादियों की आवाजाही पर निरंतर नजर रखी गई। जब आतंकवादी 20 मीटर दूर थे, घात टुकड़ी ने साहसपूर्ण तरीके से और अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना हमला बोल दिया। घात दल और आतंकवादियों के बीच स्वचालित, एके-47 और अंडर बेरल ग्रेनेड लॉंचर गोलीबारी लंबे समय तक होती रही। नायक अन्सेग्रा ने साहस का प्रदर्शन करते हुए आतंकवादियों पर भारी मात्रा में हल्की मशीन गन से सटीक गोलीबारी की जिसके परिणामस्वरूप तीन आतंकवादी ढेर हो गए और भारी मात्रा में युद्धक सामग्री बरामद हुई।

नायक अन्सेग्रा वासुमतारी ने इस तरह आतंकवादियों से लड़ते हुए अद्वितीय साहस, उत्कृष्ट पराक्रम और बुद्धिमत्ता का परिचय दिया।

.3 जेसी-539962एच सूबेदार प्रकाश चन्द, 8वीं बटालियन दि कुमाऊं रेजिमेंट (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीखः 28 अक्टूबर, 2013)

28 अक्टूबर, 2013 की रात में सूबेदार प्रकाश चन्द जम्मू और कश्मीर के बारामूला जिले में स्थित भीम चौकी से कमान चौकी तक घुसपैठ विरोधी गश्त का नेतृत्व कर रहे थे। लगभग 0015 बजे गश्त पर लघु शस्त्रों, अंडर बैरेल ग्रेनेड लांचर और रॉकेट नोदक संचालित ग्रेनेडों से भारी मात्रा में नियंत्रण रेखा के पार से गोलीबारी की गई। सूबेदार प्रकाश चन्द ने मुस्तैदी से गश्त को लेट कर मोर्चा संभालने का आदेश दिया और अतुलनीय पराक्रम के साथ उस स्थान पर हमला बोला जहाँ से उनके दल को भारी गोलाबारी के कारण क्षति और खतरा उत्पन्न हो गया था। अपने जवानों को सुरक्षित करते हुए सूबेदार प्रकाश चन्द की दायीं जांघ गोली के कारण जख्मी हो गई। गंभीर चोट के कारण अत्यधिक खून बहने के बावजूद उन्होंने तब तक निरन्तर गोलीबारी की जबकि उनके सिर पर घातक गोली की वजह से चोट न लग गई। सूबेदार प्रकाश चन्द ने अपनी अंतिम सांस तक शूरवीरता से संघर्ष किया और भारतीय सेना की उच्च परम्पराओं का पालन किया।

सूबेदार प्रकाश चन्द ने कर्तव्य का पालन करते हुए उत्कृष्ट वीरता, अदम्य साहस और नि:स्वार्थ निष्ठा का परिचय दिया और आतंकवादियों से संघर्ष करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया।

4. आईसी-72726वाई मेजर सतनाम सिंह, ईन्जीनियर्स कोर/15वीं बटालियन दि असम राईफल्स

(पुरस्कार की प्रभावी तारीखः 09 दिसम्बर, 2013)

09 दिसम्बर, 2013 को मेजर सतनाम को मणिपुर के थाऊबल जिले में स्थित सामान्य क्षेत्र नेपाली खुट्टी-II में अत्यधिक शस्त्रों से लैस केएनएफ (एन) छह आतंकवादियों के संबंध में सूचना प्राप्त हुई। खोजबीन के दौरान उनकी टीम भारी और प्रभावी गोलीबारी की चपेट में आ गई। अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की बिल्कुल प्रवाह किए बिना मेजर सतनाम अपने साथी हवलदार नविन्द्र के साथ शूरवीरता से खुले मैदान में आगे की तरफ बढ़े। अधिकारी ने अपने साथी को दमनात्मक गोलीबारी करने का निर्देश दिया और वे एक खूंखार आतंकवादी से भिड़ गए और काफी नजदीक से उसे मार गिराया । अधिकारी द्वारा किए गए वीरतापूर्ण कार्य के परिणामस्वरूप दो आतंकवादी मारे गए और 21 पैरा (विशेष बल) के साथ अनुवर्ती बंदूकों के युद्ध में एक खूंखार आतंकवादी घायल हो गया तथा भारी मात्रा में शस्त्रों और गोलाबारूद की बरामदगी हुई।

मेजर सतनाम ने शस्त्रों और गोलाबारूद के साथ खूंखार आतंकवादियों को समाप्त करने/पकड़ने में अनुकरणीय नेतृत्व, अदम्य पराक्रम, साहस और वीरता का परिचय दिया।

5. आईसी- 64002एम मेजर अभिषेक कुमार, पंजाब रेजिमेंट/22वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

(पुरस्कार की प्रभावी तारीखः 13 जनवरी, 2014)

02 अक्टूबर, 2013 को मेजर अभिषेक ने जम्मू एवं कश्मीर के सोपोर गांव में नजदीकी संघर्ष में एक स्थानीय आतंकवादी को निरस्त्र कर गिरफ्तार करके अद्वितीय नेतृत्व और व्यक्तिगत रूप में पेशेवर क्षमता का प्रदर्शन किया। इस व्यक्ति से पूछताछ के दौरान सोपोर जिले के दूसरे गांव में एक और आतंकवादी के होने का खुलासा हुआ जिसे इस अफसर ने स्वयं 11 अक्टूबर, 2013 को बाद में गिरफ्तार किया।

13 जनवरी, 2014 को सोपोर के गांव में आतंकवादी होने संबंधी सूचना के आधार पर मेजर अभिषेक कुमार ने लक्षित घर की कारगर घेराबंदी की। 1335 बजे तलाशी के दौरान आतंकवादियों ने लक्षित घर से अंधाधुंध गोलीबारी की और सोवार सिधेश्वर प्रधान को घायल कर दिया। इस अफसर ने प्रतिरोध में गोली चलाई । आतंकवादियों को घेर लिया और मार गिराया और घायल को खींचकर ले गये। अफसर अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की बिल्कुल परवाह न करते हुए अदम्य साहस रणनीतिक कौशल से भारी गोलीबारी के बीच रेंगकर आगे बढ़ा और एक आतंकवादी का सफाया कर दिया। यह देखकर दूसरे आतंकवादी ने गोलीबारी शुरू कर भागने की कोशिश की। अपने ऊपर होने वाली भारी मात्रा में गोलीबारी के बावजूद भी यह अफसर निकट गया और काफी नजदीक से उसे मार गिराया। स्वयं मेजर अभिषेक द्वारा मारे गए दोनों आतंकवादियों की बाद में जैश-ए-मोहम्मद के खूंखार आतंकवादियों के रूप में पहचान हुई।

मेजर अभिषेक कुमार ने दोनों खूंखार आतंकवादियों का सफाया करने के दौरान अदम्य साहस, असाधारण वीरता का प्रदर्शन कर उत्कृष्ट नेतृत्व भावना का परिचय दिया।

6. आईसी-65352एल मेजर मनोहर सिंह भाटी सेना मैडल, पैराच्यूट रेजिमेंट/31वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

(पुरस्कार की प्रभावी तारीखः 24 फरवरी, 2014)

मेजर मनोहर सिंह भाटी जम्मू एवं कश्मीर के दारदपुरा सामान्य क्षेत्र में 24 फरवरी, 2014 को खोज करने और ऑपरेशनों को नष्ट करने के कार्य के लिए 18 राष्ट्रीय राईफल्स से सम्बद्ध 31 राष्ट्रीय राईफल्स के टीम कमांडर थे।

इस अफसर ने अतिसावधानी से ऑपरेशन की योजना बनाई और स्वयं ही टीम का नेतृत्व किया तथा अदम्य साहस का प्रदर्शन करते हुए कमर तक बर्फ से आच्छादित परिस्थितियों में जंगलों के बीच आतंकवादियों के छिपने के स्थान से संपर्क स्थापित किया। व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए, उन्होंने कार्रवाई की और अत्यंत निकट से एक आतंकवादी को मार गिराया। आतंकवादियों ने प्रतिरोध में दल पर अंधाधुंध गोलीबारी की। साथियों के लिए भारी खतरा भांप कर और संपर्क बनाए रखने की जरूरत समझकर इस अफसर ने साहस, निर्भीकता का प्रदर्शन करते हुए एवं अपने दल की सुरक्षा की चिंता करते हुए शेष आतंकवादियों पर गोलीबारी की और दूसरे आतंकवादी को भी मार गिराया।

इस अफसर के अदम्य साहस को देखकर आतंकवादियों के हौसले पस्त हो गए और वे स्वयं अफसर द्वारा स्थापित प्रतीक्षारत घात टुकड़ियों की ओर सीधे दौड पड़े। उनके इस ऑपरेशन में कुल पांच कट्टर विदेशी आतंकवादियों का सफाया हो गया जिससे लोलाब में लश्कर-ए-तैयबा का नेटवर्क नष्ट हो गया।

मेजर मनोहर सिंह भाटी ने अदम्य साहस, दृढ़ संकल्प, असाधारण वीरता और कर्तव्य से आगे जाकर अनुकरणीय नेतृत्व भावना का प्रदर्शन किया जिसके परिणामस्वरूप उन दोनों खूंखार आतंकवादियों का सफाया करने में सफल हुए।

7. आईसी-73277एफ मेजर विशाल सिंह राघव, राजपूताना राईफल्स/18वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

(पुरस्कार की प्रभावी तारीखः 24 फरवरी, 2014)

मेजर विशाल सिंह राघव 01 नवम्बर, 2012 से मरकुल में कंपनी कमांडर हैं । इन्होंने एक कारगर आसूचना नेटवर्क स्थापित किया है।

24 फरवरी 2014 को जम्मू एवं कश्मीर के दर्दपुरा जंगल में आतंकवादी के मौजूद होने की सूचना मिलने पर मेजर विशाल सिंह राघव ने बर्फ से आच्छादित जंगल में आतंकवादियों की तलाशी के लिए गश्त का नेतृत्व किया। बर्फ से आच्छादित जंगल में जब गश्त लगायी जा रही थी उसी समय यह अत्यंत निकट से आतंकवादियों की भारी गोलीबारी के बीच घिर गई। मेजर विशाल ने गंभीर खतरे के बावजूद साहस का परिचय दिया और संयम बनाए रखा तथा इसका प्रतिकार किया। उन्होंने तत्काल रणनीति तैयार की और आतंकवादियों के बचने के सभी रास्ते बंद कर दिए। अत्यंत गंभीर शत्रुतापूर्ण गोलीबारी के बीच अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की किंचित परवाह न करते हुए उन्होंने आतंकवादियों का मुकाबला किया और एक आतंकवादी को निष्प्रभावित कर दिया एवं दूसरे को अक्षम कर दिया। यद्यपि आतंकवादी गश्ती दल से संख्या में अधिक थे फिर भी मेजर राघव ने असाधारण वीरता का परिचय दिया और आतंकवादियों को रोका। उन्होंने अतिरिक्त सैन्य टुकड़ियों को बुलाया और विदेशी आतंकवादियों के समूचे समूह के खातमे को सुनिश्चित करने के लिए उन्हें मोर्चा स्थल के बारे में उनका मार्ग निर्देशन किया । इस संक्रिया के दौरान मेजर विशाल ने शौर्य से अपनी टीम का नेतृत्व किया और आतंकवादियों के साथ संपर्क बनाए रखा तथा आतंकवादियों की पहचान की एवं उन पर गोलीबारी जारी रखी जिसके परिणामस्वरूप लश्कर-ए-तैयबा के सात खूंखार विदेशी आतंकवादियों का सफाया हो गया।

मेजर विशाल सिंह राघव ने लश्कर-ए-तैयबा के खूंखार विदेशी आतंकवादियों को मार गिराने के दौरान पहल, असाधारण साहस, अनुकरणीय नेतृत्व भावना और टीम भावना का परिचय दिया।

8. लेफ्टिनेंट कमांडर मनोरंजन कुमार (52423-टी) (मरणोपरान्त)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीखः 25 फरवरी, 2014)

लेफ्टिनेंट कमांडर मनोरंजन कुमार (52423 टी) जनवरी 12 को भारतीय नौसेना पोत सिंधुरत्न में शामिल हुए थे। उनको वाच-कीपिंग अफसर (इलेक्ट्रिकल), गोताखोर अफसर और कम्पार्टमेंट-III के प्रभारी अफसर के रूप में नियुक्त किया गया था।

मरम्मत के पूरा होने के पश्चात समुद्री जांच के लिए पनडुब्बी में सवार 94 कार्मिकों के दल को 25 फरवरी, 2014 को समुद्र में भेजा गया । 26 फरवरी को लगभग 0530 बजे कम्पार्टमेंट III में अत्यधिक धुंआ उठने की सूचना मिली जिसमें पनडुब्बी की मुख्य बैटरियों का आधा हिस्सा भी होता है। लफ्टिनेंट कमांडर मनोरंजन कुमार ने प्रभारी अफसर की अपनी हैसियत से उपलब्ध सभी कार्मिकों और क्षति नियंत्रण परिसंपत्तियों को तत्काल संघटित किया एवं गंभीर आपातस्थिति को नियंत्रित करने के लिए पराक्रमी प्रयास आरंभ किए। चूँकि गर्मी के कारण कम्पार्टमेंट में परिवेशी तापमान बढ़ गया था और दृश्यता कम हो रही थी फिर भी इस अफसर ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा का ध्यान न रखते हुए इस आपातस्थिति से लड़ना जारी रखा। एक समय पर उन्होंने महसूस किया कि क्षति के सामीप्य में मानवीय जीवन को बचाने की स्थिति विकट हो चुकी है और उन्होंने सुरक्षित क्षेत्रों तक 13 कार्मिकों की टीम को पहुंचाने के तत्काल आदेश दिए और इस तरह हताहतों की संख्या को न्यूनतम कर दिया। उन्होंने स्वयं अग्नि-शमन का ही कार्य नहीं किया बल्कि क्षति नियंत्रण की स्थिति और आगामी संभावित विविक्षाओं के बारे में भी कमान चौकी को अत्यंत महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराई। उन्होंने क्षति को स्थानीयकृत क्षेत्र तक ही सीमित कर दिया जिससे नीचे बैटरी कम्पार्टमेंट तक विस्तार रुक गया, इस प्रकार समूची पनडुब्बी को होने वाली क्षति के अत्यंत गंभीर खतरे की संभावना का निराकरण किया। बचे हुए कार्मिकों ने यह पुष्टि की है कि इस समय तक सांस लेना अत्यंत कठिन हो गया था परन्तु लेफ्टिनेंट कमांडर मनोरंजन ने अपने कर्मीदल की सुरक्षा के लिए प्रयास जारी रखे और साहस से इस आपातस्थिति का मुकाबला किया। उनको अंत में अपने स्वयं के जीवन को बचाने की अपेक्षा आग/धुंए को नियंत्रित करते हुए देखा गया। अत्यंत जोखिमपूर्ण स्थिति में धुंए को बुझाने के उनके अनुकरणीय प्रयास ड्यूटी की अपेक्षा उच्च कोटि के थे जिससे 94 कर्मीदल सदस्यों का जीवन और पनडुब्बी की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकी।

लेफ्टिनेंट कमांडर मनोरंजन कुमार ने पनडुब्बी के कम्पार्टमेंट-III में लगी गंभीर आग के दौरान दृढ़ निश्चय और असाधारण साहस का परिचय दिया और पनडुब्बी में 94 कर्मीदल सदस्यों का जीवन बचाने में सर्वोच्च बलिदान दिया।

9. लेफ्टिनेंट कमांडर कपीश सिंह मुवाल (52360-जेड) (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 25 फरवरी, 2014)

लेफ्टिनेंट कमांडर कपीश सिंह मुवाल (52360-जेड) ने अगस्त, 2011 में आईएनएस सिंधुरत्न में कार्यभार ग्रहण किया और दुर्घटना के समय उनकी डिप्टी इलैक्ट्रिकल अफसर और 5वां कम्पार्टमेंट के प्रभारी के रूप में नियुक्ति की गई।

पनडुब्बी को मरम्मत के बाद समुद्री परीक्षण के लिए 25 फरवरी, 2014 को 94 कार्मिकों का एक दल को लेकर समुद्र में भेजा गया। लेफ्टिनेंट कमांडर कपीश सिंह मुवाल 5वें कम्पार्टमेंट में अपनी चौकी में थे जब तीसरे कम्पार्टमेंट में भारी मात्रा में धुंआ होने की रिपोर्ट प्राप्त हुई । आपातकाल सुनने के बाद, वह तीसरे कम्पार्टमेंट के क्षतिग्रस्त क्षेत्र की ओर दौड़े और उस समय के वरिष्ठतम अफसर होने के नाते अग्निशामक दल और सभी उपलब्ध परिसंपत्तियों का प्रभार ले लिया। डिप्टी इलैक्ट्रिकल अफसर के रूप में, उनके पास बैटरी कम्पार्टमेंट का गहरा ज्ञान था और वह संभावित नुकसान को पहचान सके कि बढ़ती हुई आग से नीचे बैटरी कम्पार्टमेंट में और अतः पनडुब्बी में नुकसान हो सकता था। चूंकि धुंआ और गर्मी निरंतर बढ़ रही थी, अफसर ने दृढ़-निश्चय और संकल्प के साथ, अधिक से अधिक जिंदगियों को बचाने के उद्देश्य से अपने 13 कर्मियों की टीम को सुरक्षित स्थान पर ले जाते समय आग/धुंआ को बुझाने के अपने प्रयास को जारी रखा। अफसर नुकसान की सीमा को नियंत्रित करने हेतु अंतिम बार संघर्ष करते हुए दिखाई दिया, जब कि कम्पार्टमेंट खाली कराया जा रहा था। नीचे बैटरी कम्पार्टमेंट की ओर फैलते हुए नुकसान को रोकने के उनके अकेले कृत्य ने संपूर्ण पनडुब्बी के विशाल ढांचागत नुकसान को रोक दिया और पनडुब्बी में सवार 94 कार्मिकों से मिलकर बने कर्मीदल के उत्तरजीवियों को बचा लिया। उत्तरजीवियों ने पुष्टि की कि खतरे का सामना करते समय अफसर की बहादुरी में बलिदान, निस्वार्थ भाव और उच्च कोटि का साहस दिखाई दिया था, जिससे सम्पूर्ण पनडुब्बी की सुरक्षा सुनिश्चित हुई।

लेफ्टिनेंट कमांडर कपीश सिंह मुवाल ने दृढ़ निश्चय और असाधारण साहस का परिचय दिया जब पनडुब्बी के तीसरे कम्पार्टमेंट में भंयकर आग लगी हुई थी और पनडुब्बी के 94 कर्मी सदस्यों को बचाते समय सर्वोच्च बलिदान दिया।

10. विंग कमांडर हवि उपाध्याय (25850) उड़ान (पायलट)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 01 मार्च, 2014)

विंग कमांडर हवि उपाध्याय (25850) उड़ान (पायलट) हेलीकॉप्टर स्ट्रीम से हैं और 26 नवंबर 2012 से चीतल/ चीता हेलीकॉप्टर यूनिट की नफरी पर तैनात किए गए हैं जो सियाचिन ग्लेशियर में प्रचालित होते हैं । उन्होंने 3200 से अधिक घंटे की दुर्घटना/घटना रहित उड़ानें की हैं।

01 मार्च, 2014 को 1140 बजे जब विंग कमांडर उपाध्याय विमान अनुरक्षण सार्टी जुलू हेलीपैड की ओर भर रहे थे, उन्होंने एटीसी से एक आपात संदेश प्राप्त किया जिसमें कहा गया था कि एक आर्मी एएलएच हेलीकॉप्टर जिसका ईटीए 1105 बजे था, बेस कैंप में वापिस नहीं लौटा था और उससे संपर्क नहीं हो रहा था। विंग कमांडर उपाध्याय ने विद्यमान स्थिति पर पहुंचकर साहस, पटल और उच्च स्थितिपरक सतर्कता का प्रदर्शन किया। उन्होंने हेलीपेड पर अपने हेलीकॉप्टर को खाली किया और कालातीत सेना हेलीकॉप्टर की खोज और बचाव में निकल पड़े । तेजी से बिगड़ते मौसम से विचलित हुए बिना और व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए वह हेलीकॉप्टर को निरंतर खोजते रहे। उन्होंने 17600 फुट की चढ़ाई पर काजीरंगा चौकी के पास दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर के मलबे को देखा। दुर्घटनाग्रस्त स्थान का भू-भाग लहरदार, मुलायम बर्फ से

ढका हुआ गहरी हिम-दरारों का दलदल था और ढालू था। उस समय भयंकर हवाएँ चल रही थी और उस क्षेत्र में हेलीकॉप्टर को उतारना अत्यधिक कठिन कार्य था यहां तक कि पांच मिनट की देरी होने से मौसम में कुछ दिखाई न पड़ता और बचाव अवसर समाप्त हो जाता। इससे अत्यधिक ठंड, उंची चढ़ाई, सदमा और चोटों के कारण दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर के पायलटों की निश्चित रूप से मृत्यु हो जाती। परम साहस और असाधारण उड़ान कौशल का प्रदर्शन करते हुए उन्होंने अपने हेलीकॉप्टर को दुर्घटनाग्रस्त स्थान के पास हिम-दरारों के बीच उतारा जब कि आंशिक शक्ति पर, उन्होंने यह सुनिश्चित करते हुए अपना हेलीकॉप्टर उड़ाया कि हेलीकॉप्टर स्की का किनारा मुलायम बर्फ के साथ हल्के संपर्क में है और घायल पायलटों को बचा लिया। वह अपने इस पूरे ऑपरेशन में शत्रु की निरंतर निगाह के खतरे में थे। यहां तक कि ऑपरेशन के दौरान हेलीकॉप्टर के नियंत्रण में किंचित अनियंत्रण से भयंकर दुर्घटना हो जाती। लगभग असंभव परिस्थितियों के अंतर्गत अपनी शूरवीरतापूर्ण कोशिश करते हुए अपने वीरतापूर्ण कार्य से उन्होंने सेना के दो पायलटों की जान बचाई और संयुक्त अभियान की भावना को अनुकरणीय बल प्रदान किया।

विंग कमांडर हवि उपाध्याय ने दो सेना के पायलटों की रक्षा करते समय असाधारण साहस, दृढ़ निश्चय और असाधारण उड़ान-कौशल का प्रदर्शन किया

11. 3005411एल सिपाही विक्रम, दि राजपूत रेजिमेंट / 44वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 25 अप्रैल, 2014)

25 अप्रैल, 2014 को सिपाही विक्रम जम्मू और कश्मीर के शुपियां जिले के गांव में एक आपरेशन का हिस्सा थे। मेजर मुकन्द वरदाराजन के साथी के रूप में सिपाही विक्रम ने तैयारी और लक्षित घर में कार्रवाई करने में अधिकारी की सहायता की। सिपाही विक्रम ने कथित रूप से स्वयं को खतरे में डाल दिया क्योंकि उसने अधिकारी को सुरक्षा प्रदान की थी।

लगभग 1800 बजे तक, आतंकवादी बाहरी घर में छुपे हुए थे, जहां पहुंचना कठिन था। साहस दिखाते हुए और संकल्प के साथ सिपाही विक्रम ने अधिकारी का साथ दिया जब दोनों सरकते हुए बाहरी घर में घुसे। चूंकि मेजर मुकन्द वरदाराजन दो आतंकवादियों को बाहर निकालने की प्रक्रिया में घायल हो गए थे, सिपाही विक्रम ने खतरे को भांप लिया। सहचरता और मिशन स्थिति निर्धारण की मैत्री भावना का प्रदर्शन करते हुए उनको सुरक्षित स्थान पर ले जाने के लिए अधिकारी के आगे कूद गए। इस प्रकार बहादुर जवान ने स्वेच्छा से स्वयं को खतरे में डाल दिया।

तीसरे आतंकवादी ने खतरा भांपते हुए सिपाही विक्रम पर अधाधुंध गोलियां चलाते हुए घायल कर दिया। कृतसंकल्प जवान घायल होने के बावजूद खड़ा हुआ और बहुत नजदीक से आतंकवादी को मार गिराया जब उसने बचने की कोशिश की थी। दूसरी बार दोनों तरफ की गोलीबारी में सिपाही विक्रम सिंह सिर और गले में गोली लगने से घायल हो गए और उसी स्थान पर दम तोड़ दिया।

सिपाही विक्रम ने अपने कर्तव्य एवं अपनी उम्र से आगे जाकर उत्कृष्ट बहादुरी, अदम्य साहस का परिचय देते हुए नि:स्वार्थ समर्पण भावना का प्रदर्शन किया और आतंकवादियों से लड़ते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया।

12. 5352474के राईफलमैन प्रेम बहादुर रोका मगर, 2/4वीं बटालियन दि गोरखा राईफल्स

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 10 मई, 2014)

09 मई, 2014 को जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले के बघियादारा नाला में एलओआई-22 पर स्थित घात टुकड़ी का सदस्य होने के नाते राईफलमैन प्रेम बहादुर रोका मगर को कालस ओपी पर स्थित एचएचटीआई डेट्स के माध्यम से खोजे गए आतंकवादियों के एक संभावित घुसपैठ रास्ते पर सुरक्षा करने का कार्य सौंपा गया था।

10 मई 2014 को 0230 बजे आतंकवादियों के साथ आमना-सामना हुआ और गोलीबारी हुई। चूंकि आतंकवादी बिखर गए, एक आतंकवादी उनकी घात टुकड़ी दल के पास आ गया। गोलीबारी के दौरान राईफलमैन प्रेम ने आतंकवादी को अपना साथी समझते हुए उसे बुलाया। आतंकवादी ने कोई उत्तर नहीं दिया और धीरे से अपने हथियार को उसकी ओर कर दिया, राईफलमैन प्रेम ने साहसपूर्वक आतंकवादी के हथियार के नालमुख को पकड़ लिया, जब तक आतंकवादी ने गोली चलाते हुए अपनी मैगजीन खाली कर दी। दोनों के बीच हाथापाई शुरू हो गई और राईफलमैन प्रेम ने तब आतंकवादी के चेहरे पर घूंसा जड़ दिया और उसे नाले में धक्का दे दिया। इस शस्त्रहीन युद्ध के दौरान राईफलमैन प्रेम अपने हथियार को गिरा दिया था। ऐसा महसूस करते हुए कि आतंकवादी भाग सकते हैं, अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की बिलकुल परवाह न करते हुए और सूझ-बूझ का परिचय देते हुए एनसीओ ने भागते हुए आतंकवादियों पर ग्रेनेड दाग दी जिससे उसकी टांग घायल हो गई। ग्रेनेड के टुकड़े ने आतंकवादियों को गतिहीन कर दिया जिसने उसे नियंत्रण रेखा के पार जाने से रोक दिया।

राईफलमैन प्रेम बहादुर रोका मगर ने उच्चतम स्तर की बहादुरी, अदम्य साहस, विशिष्ट शूरवीरता का प्रदर्शन किया और आतंकवादियों के साथ हाथापाई के दौरान उत्कृष्ट नेतृत्व का प्रदर्शन करके आतंकवादियों को गंभीर रूप से घायल कर दिया ।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

संख्या 75-प्रेज/2014—राष्ट्रपति निम्नलिखित सेना कार्मिकों को उनके असाधारण साहसपूर्ण कार्यों के लिए "सेना मेडल/आर्मी मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :-

1. आईसी-56366के लेफ्टिनेंट कर्नल पौनम रोमेश सिंह,
दि कुमाऊँ रेजिमेंट / 50वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

2. आईसी-63075एम मेजर मनि इंदर पाल,
द ग्रनेडियर्स / 29वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

3. आईसी-63384पी मेजर गौरव सोलंकी,
4वीं बटालियन दि पैराच्यूट रेजिमेंट (विशेष बल)

4. आईसी-63960एन मेजर सुभाप्रतीम बोस,
दि जम्मू और कश्मीर राईफल्स / 3वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

5. आईसी-64204एन मेजर दुश्यंत पूनियाँ,
सेना सेवा कोर / 55वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

6. आईसी-65062एन मेजर कशिश वाधवा,
दि सिख रेजिमेंट/6वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

7. आईसी-65667पी मेजर संजय कुमार,
ब्रिगेड ऑफ दि गार्डस् / 21वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

8. आईसी-67047एक्स मेजर राहुल सिंह,
दि सिख लाईट ईन्फैन्ट्री / 19वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स (मरणोपरांत)

9. आईसी-68833एच मेजर श्रीकांत आर,
दि राजपूत रेजिमेंट / 44वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

10. आईसी-69885एल/ मेजर पराग गुम्बर,
दि राजपूताना राईफल्स / 9वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

11. आईसी-70439डब्ल्यू मेजर विकास कुमार,
तोपखाना रेजिमेंट / 1वीं बटालियन दि असम राईफल्स

12. आईसी-73196एफ मेजर हिमांशु पारिक,
कवचित कोर / 53वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

13. आईसी-73754एक्स मेजर विरेन्द्र सिंह चंदेल,
दि ग्रनेडियर्स / 29वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

14. एसएस-42879एन कैप्टन रिन्टोमोन थचिल,
21वीं बटालियन दि पैराच्यूट रेजिमेंट (विशेष बल)

15. आईसी-75916डब्ल्यू लेफ्टिनेंट पंकज कुमार,
18वीं बटालियन दि महार रेजिमेंट

16. आईसी-76425एम लेफ्टिनेंट अभय शर्मा,
1वीं बटालियन दि पैराच्यूट रेजिमेंट (विशेष बल)

17. जेसी-540555एम सूबेदार ध्यान सिंह अधिकारी,
दि कुमाऊँ रेजिमेंट / 50वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

18. जेसी-612640एन सूबेदार टेक बहादुर राना,
2/4वीं बटालियन दि गोरखा राईफल्स

19. 3192105वाई हवलदार दुली चन्द,
2वीं बटालियन दि पैराच्यूट रेजिमेंट (विशेष बल)

20. 13622406एल हवलदार वारकडे अशोक शंकर,
2वीं बटालियन दि पैराच्यूट रेजिमेंट (विशेष बल)

21. 13622568डब्ल्यू हवलदार सुनिल कुमार सिंह,
दि पैराच्यूट रेजिमेंट / 18वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

22. 2895600वाई नायक करतार सिंह,
दि राजपूताना राईफल्स / 18वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

23. 2998440के नायक समीर कुमार मिदया,
2वीं बटालियन दि राजपूत रेजिमेंट

24. 4571766पी नायक गौरब सेन,
18वीं बटालियन दि महार रेजिमेंट

25. 13623908ए नायक मनीलाल देब बर्मा,
9वीं बटालियन दि पैराच्यूट रेजिमेंट (विशेष बल)

26. 2608053एक्स लांस नायक मु. फिरोज खान,
दि मद्रास रेजिमेंट / 38वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स (मरणोपरांत)

27. 2897845एन लांस नायक हम्मा राम,
दि राजपूताना राईफल्स / 18वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

28. 13623989एल लांस नायक धर्मा नन्द पाण्डेय,
दि पैराच्यूट रेजिमेंट / 31वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

29. 14439779एफ लांस नायक संजय कुमार,
तोपखाना रेजिमेंट / 62वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

30. 15157908डब्ल्यू लांस नायक वी एंथोनी निर्मल विजी,
तोपखाना रेजिमेंट 111 /रॉकेट रेजिमेंट (मरणोपरांत)

31. 15572631एन लांस नायक वाघ कैलाश लहु,
ईंजीनियर्स कोर / 107वीं ईंजीनियर रेजिमेंट (मरणोपरांत)

32. 18003189एच लांस नायक दीपक कुमार वर्मा,
ईंजीनियर्स कोर / 70वीं ईंजीनियर रेजिमेंट (मरणोपरांत)

33. 2501110डब्ल्यू सिपाही जगदीप कुमार,
दि पंजाब रेजिमेंट / 22वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

34. 2502628डब्ल्यू सिपाही अजीत कपूर,
दि पंजाब रेजिमेंट / 22वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

35. 4367466एम सिपाही शान्तिरेम्बा,
5वीं बटालियन दि असम रेजिमेंट

36. जी/5002293के राईफलमैन चमन लाल,
1वीं बटालियन दि असम राईफल्स

37. जी/5010541के राईफलमैन प्रसनाजित बाल,
1वीं बटालियन दि असम राईफल्स

38. 15164971एन गनर मोहम्मद इजराईल शेख,
तोपखाना रेजिमेंट 111 /रॉकेट रेजिमेंट

39. 15621991डब्ल्यू गार्डसमैन सुनिल कुमार,
ब्रिगेड़ ऑफ दि गार्डस / 21वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

संख्या 76-प्रेज़/2014–राष्ट्रपति कमांडर गोसावि कौस्तुभ विजयकुमार (03657-के) को उनके असाधारण साहसपूर्ण कार्यों के लिए " नौसेना/नेवी मेडल " प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

संख्या- 77-प्रेज़/2014 – राष्ट्रपति निम्नलिखित सेना कार्मिकों को उनके असाधारण साहसपूर्ण कार्यों के लिए " वायु सेना मेडल/ एयरफोर्स मेडल " प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :-

1. विंग कमांडर अभ्यंकर अनिकेत संतोष (24497) उड़ान (पायलट)

2. विंग कमांडर राहुल शुक्ला (25845) उड़ान (पायलट)

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

संख्या 78-प्रेज़/2014 – राष्ट्रपति, "सेनाध्यक्ष" से रक्षा मंत्री द्वारा प्राप्त "मेंशन इन डिसपेचज़" के लिए निम्नलिखित अधिकारियों/कार्मिकों के नामों को भारत को राजपत्र में प्रकाशन हेतु आदेश प्रदान करते हैं :-

ऑपरेशन रक्षक

1. आईसी-62911वाई मेजर विवेक यदुबंशी, 3/1 गोरखा राईफल्स

2. आईसी-63475वाई मेजर अनिल कुमार यादव, सेना विमानन कोर, 37 (आई) आर एंड ओ फ्लाईट

3. आईसी-67051ए मेजर अमनदीप सिंह, सेना सेवा कोर, 30 राष्ट्रीय राईफल्स

4. आईसी-70723एम मेजर सुशील चंद, ईंजीनियर्स, 6 राष्ट्रीय राईफल्स

5. आईसी-72403डब्ल्यू मेजर सिद्धार्थ सिन्हा, 7 गढ़वाल राईफल्स

6. 4078449एन नायक त्रिलोक सिंह, 3 गढ़वाल राईफल्स

7. 4078472एफ नायक चतुर सिंह, 3 गढ़वाल राईफल्स

8. 9104594ए नायक तिलक राज, 17 जम्मू और कश्मीर लाईट इफैंट्री

9. 4283389एक्स लांस नायक मंगरा ओरॉव, 15 बिहार

10. 4286978वाई सिपाही धर्मेन्द्र कुमार यादव, 15 बिहार

11. 4581457ए सिपाही मगरे राहुल भीमराव, महार, 30 राष्ट्रीय राईफल्स

12. 3009746ए सिपाही प्रशांत कुमार, राजपूत, 44 राष्ट्रीय राईफल्स

13. 4201803एफ सिपाही अजय वीर, कुमाऊँ, 50 राष्ट्रीय राईफल्स

14. 2502449डब्ल्यू सिपाही जोगिन्दर सिंह मनहास, पंजाब, 53 राष्ट्रीय राईफल्स

15. 4088524ए राईफलमैन राजेश सिंह, 3 गढ़वाल राईफल्स

16. 13771971एफ राईफलमैन अरविंद परिहार, जम्मू और कश्मीर राईफल्स, 3 राष्ट्रीय राईफल्स

17. 2703346एन ग्रनेडियर उमराव गुर्जर, 5 ग्रनेडियर्स

18. 15619678एम गार्डसमैन राम लाल मीना, गार्डस, 21 राष्ट्रीय राईफल्स

19. 13627254वाई पाराट्रूपर गोविंद सिंह, पाराच्यूट रेजिमेंट, 18 राष्ट्रीय राईफल्स (मरणोपरांत)

20. 15176479पी गनर अनिल सिंह भदवाल, तोपखाना रेजिमेंट, 18 राष्ट्रीय राईफल्स

21. 15498789वाई सवार सिद्धेस्वर प्रधान, कवचित कोर, 22 राष्ट्रीय राईफल्स

ऑपरेशन मेघदूत

1. 15427804वाई नायक गुरसेवक सिंह, सेना चिकित्सा कोर, 328 फील्ड अस्पताल (मरणोपरांत)

ऑपरेशन राइनो

1. आईसी-63148एन मेजर कुशवीर नंदा, 2 राजपूत

2. 4374618एल सिपाही दीपक डेका, 2 असम

3. जी/5005610एल राईफलमैन एम थांगबोय हौकिप, 33 असम राईफल्स

ऑपरेशन हिफाजत

1. 3407567पी सिपाही राजविन्दर सिंह, 18 सिख

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

संख्या 79–प्रेज/2014– राष्ट्रपति, तमिलनाडु अग्निशमन एवं बचाव सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:–

1 श्री गुरूसामी सुबरामनियन
फायरमैन
तमिलनाडु

2 श्री कसी पांडियन अरूणचला पांडियन
फायरमैन
तमिलनाडु

2. दिनांक 23.11.2013 को 05.55 बजे राजा पलयम अग्निशमन एवं बचाव केन्द्र के कंट्रोल रुम में सूचना मिली कि राज्य सरकार एवं श्री जय भरत की निजी बस, राजा पलयम से देनकासी जाने वाली सड़क पर मूलाकरेई विनयगर कोविल के नजदीक टक्करा गई है। तत्काल अग्निशमन दल एक फॉयर टेंडर के साथ श्री एस परमाशिवम, स्टेशन ऑफिसर की अगवाई में घटनास्थल पहुँचा। घटनास्थल पहुँचने पर पाया कि एक निजी बस नजदीक के 50 फुट गहरे कुएँ में गिरी हुई है। बस उल्टी होकर कुएँ में गिरी हुई थी व बस के अन्दर से यात्रियों की सहायता के लिए चिल्लाने की आवाजें आ रही थी। तत्काल फायरमैन जी सुबरामनियन एवं अरूणचला पांडियन जिन्हे पता था कि कुएँ में सीढी नही है व जहरीले साँप भी हो सकते हैं, अपनी जान की परवाह ना करते हुए रस्सी के सहारे कुएँ में उतर गए। बस के नजदीक पहुँच कर खिडकी के रास्ते बस में प्रवेश करने पर पाया कि तीन औरतें व दो आदमी गहरे सदमें की अवस्था में थे एवं मदद के लिए चिल्ला रहे थे। तीनो औरतों और दोनों आदमियों को इन्होंने बचाव रस्सी के सहारे एक–एक करके बाहर निकाला। उसके बाद मृत चालक को भी बाहर निकाला।

3. फायरमैन जी सुबरामनियन एवं अरूणचला पांडियन ने उत्कृष्ट वीरता, अदम्य साहस, व्यवसायिक कुशलता एवं उच्च कोटि की कर्त्तव्य परायणता का परिचय दिया।

4. यह पुरस्कार वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक पुरस्कार को शासित करने वाली नियमावली के नियम 3(1) के तहत प्रदान किये जाते हैं और परिणामतः नियम 5(क) के तहत अनुमय विशेष भत्ता दिनांक 23.11.2013 से इसके साथ देय होगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्यधिकारी

संख्या 80–प्रेज/2014– राष्ट्रपति, स्वतंत्रता दिवस 2014 के अवसर पर निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का अग्निशमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:–

1. श्री राजेंद्र कुमार हक
संयुक्त निदेशक
जम्मु एंव कश्मीर

2. श्री लोकेश बी0 मुत्तपा
असिस्टेंट फायर स्टेशन ऑफिसर
कर्नाटक

3. श्री राघब मलिक
फायरमैन
ओडिशा

4. श्री अरबिंद कुमार
असिस्टेंट कमाण्डेन्ट (फायर)
सी0आई0एस0एफ0, एम0एच0ए0

5. श्री ज्ञान चन्द
असिस्टेंट सब इंस्पैक्टर (फायर)
सी0आई0एस0एफ0, एम0एच0ए0

6. श्री संतोष कुमार
हैड कांस्टेबल (फायर)
सी0आई0एस0एफ0, एम0एच0ए0

2. यह पुरस्कार विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का अग्निशमन सेवा पदक पुरस्कार को शासित करने वाले नियमों के नियम 3 (ii) के तहत प्रदान किया जाता हैं।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्यधिकारी

संख्या 81–प्रेज/2014–राष्ट्रपति, स्वतंत्रता दिवस 2014 के अवसर पर निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी सराहनीय सेवा के लिए अग्निशमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:–

1. श्री रमेश चन्द्र कलिता
स्टेशन ऑफिसर
असम

2. श्री उमेश चन्द्र डेका
सब–ऑफिसर
असम

3. श्री रीपेंद्र चन्द्र कलिता
लीडिंग फायरमैन
असम

4. श्री आर0 एम0 धोडी
सब–ऑफिसर
दादरा एवं नागर हवेली

5. श्री एस0 सी0 पटेल
ड्राईवर
दादरा एवं नागर हवेली

6. श्री अमृतलाल करसन वाला
असिस्टेंट डिवीजनल फायर ऑफिसर
दमन एवं दीव

7. श्री सत्यपाल सिंह भारद्वाज
असिस्टेंट डिवीजनल ऑफिसर
दिल्ली

8. श्री अनूप सिंह
लीडिंग फायरमैन
दिल्ली

9. श्री अमरेश पाल
लीडिंग फायरमैन
दिल्ली

10. श्री अर्जुन शंकर परब
सब–ऑफिसर
गोवा

11. श्री भालचन्द्र जी0 वेलिप
लीडिंग फायरफाईटर
गोवा

12. श्री रामा दामोदर नाईक
ड्राईवर ऑपरेटर
गोवा

13. श्री रोमेश चन्द्र रैना
सहायक निदेशक
जम्मु एंव कश्मीर

14. श्री विजय कुमार भट
स्टेशन ऑफिसर
जम्मु एंव कश्मीर

15. श्री महानन्द सिंह
असिस्टेंट डिविजन फायर ऑफिसर
झारखण्ड

16. श्री ऋषि कुमार तिवारी
लीडिंग फायरमैन ड्राईवर
झारखण्ड

17. श्री रमन्नागौड़ा हनुमेईह
जिला अग्निशमन अधिकारी
कर्नाटक

18. श्री शांतकुमारचारी शंकराचारी
फायर स्टेशन ऑफिसर
कर्नाटक

19. श्री शिवरूद्राप्पा वीरान्नजप्पा
असिस्टेंट फायर स्टेशन ऑफिसर
कर्नाटक

20. श्री किशोर कुमार
असिस्टेंट फायर स्टेशन ऑफिसर
कर्नाटक

21. श्री पी0 आर0 सुनीमोन
फायरमैन ड्राईवर एवं पम्प आपरेटर
केरल

22. श्री मधुसूदन्न नायर जी0
लीडिंग फायरमैन
केरल

23. श्री पी0 एस0 स्री किशोर
लीडिंग फायरमैन
केरल

24. श्री पी0 के0 सरचन्द्र बाबू
लीडिंग फायरमैन
केरल

25. श्री रंजीत सिंह वाहेंबम
सब–ऑफिसर
मणिपुर

26. श्री स्ट्रंगर नौंगरेम
स्टेशन ऑफिसर
मेघालय

27. श्री विनोय कुमार मेधी
लीडिंग फायरमैन
मेद्यालय

28. श्री उग्रसेन साई
असिस्टेंट स्टेशन ऑफिसर
ओडिशा

29. श्री प्रभाकर साहु
असिस्टेंट स्टेशन ऑफिसर
ओडिशा

30. श्री सुरेंद्र नाथ गड़पला
असिस्टेंट स्टेशन ऑफिसर
ओडिशा

31. श्री श्रीकांत तरेई
हवलदार मकैनिक
ओडिशा

32. श्री भ्रमरवर सेठ
लिडिंग फायरमैन
ओडिशा

33. श्री सिरीनिवासन मुरलीदरण
स्टेशन ऑफिसर
तमिलनाडु

34. श्री रामासामी अन्नामलाई
फायरमैन ड्राईवर
तमिलनाडु

35. श्री पलनीयप्पन मुरूगेसन
फायरमैन
तमिलनाडु

36. श्री नन्द लाल दास
स्टेशन ऑफिसर
त्रिपुरा

37. श्री बाबुल देबनाथ
सब–ऑफिसर
त्रिपुरा

38. श्री राम सनेही
चीफ फायर ऑफिसर
उत्तर प्रदेश

39. श्री सत्यपाल सिंह
चीफ फायर ऑफिसर
उत्तर प्रदेश

40. श्री राजा बक्श सिंह
लीडिंग फायरमैन
उत्तर प्रदेश

41. श्री हरी सिंह यादव
लीडिंग फायरमैन
उत्तर प्रदेश

42. श्री पूरण चन्द्र शर्मा
फायर स्टेशन ऑफिसर
उत्तराखण्ड़

43. श्री हरीश चन्द्र
एफ0 एस0 ड्राईवर
उत्तराखण्ड़

44. श्री सुधाबिंदु सिकदर
फायर ईंजन आपरेटर एवं ड्राईवर
पश्चिम बंगाल

45. श्री प्राण कृष्ण साहा
फायर ईंजन आपेटर एवं ड्राईवर
पश्चिम बंगाल

46. श्री सुधीर दिगम्बर इंगले
कमांडेंट (फायर)
सी0आई0एस0एफ0, एम0एच0ए0

47. श्री सी0 नटराजन
असिस्टेंट सब इंसपैक्टर (फायर)
सी0आई0एस0एफ0, एम0एच0ए0

48. श्री हमबीर सिंह
हैड कांस्टेबल (फायर)
सी0आई0एस0एफ0, एम0एच0ए0

49. श्री राजकिशोर प्रसाद सिंह
असिस्टेंट फायर ऑफिसर
ओ0 एन0 जी0 सी0
तेल एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय

50. श्री रमणभाई खोडाभाई भुनातर
चीफ फायर मैन
ओ0 एन0 जी0 सी0
तेल एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय

2. यह पुरस्कार, सराहनीय सेवा के लिए अग्निशमन सेवा पदक पुरस्कार को शासित करने वाले नियमों के नियम 3 (ii) के तहत प्रदान किया जाता हैं।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्यधिकारी

सं. 82—प्रेज/2014—**राष्ट्रपति, स्वतंत्रता दिवस, 2014 के अवसर पर निम्नलिखित अफसरों को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का तटरक्षक पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-**

(i) महानिरीक्षक कुलदीप सिंह शेरोन, तटरक्षक पदक (सी-0089)

(ii) उपमहानिरीक्षक मोहिंदर सिंह दांगी, तटरक्षक पदक (ई-0025)

2. विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का तटरक्षक पदक प्रदान करने संबंधी नियम 4(iv) के तहत राष्ट्रपति का तटरक्षक पदक (विशिष्ट सेवा) प्रदान किया जाता है।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 83–प्रेज/2014––राष्ट्रपति, स्वतंत्रता दिवस, 2014 के अवसर पर कमांडेंट अरुणाभ बोस (0399-ई) को बहादुरी के लिए तटरक्षक पदक (शौर्य) सहर्ष प्रदान करते हैं।

प्रशस्ति उल्लेख

कमांडेंट अरुणाभ बोस (0399-ई) ने 10 जुलाई 1994 को भारतीय तटरक्षक में सेवा आरंभ की।

2. 14 सितंबर 2013 को, एम टी एक्वारियस विंग, एक बहुत बड़ा कंटेनर कार्गो (वीएलसीसी), ने तटरक्षक के समन्वय से 11 भारतीय मछुवारों का उनकी डूबती नौका से बचाव किया। सीधे जापान को मार्गस्त, वी एल सी सी ने तटरक्षक को बचाये गये मछुवारों को सुपुर्द करने के लिए अपनी सहमति दी, बशर्ते कि इस कार्य को यथाशीघ्र किया जाए। अत्यधिक वात प्रवाह के कारण, पोत कोची से 22 समुद्री मील की स्थिति तक ही आ सकता था। मछुवारों को लेने के लिए भारतीय तटरक्षक पोत सी-134 रवाना हुआ, किंतु खराब मौसम और उग्र समुद्र स्थिति के कारण पोत नौचालन कायम नहीं रख सका। मौसम सामान्य उड़ान स्थिति के लिए भी अनुकूल नहीं था। इसी बीच, वीएलसीसी को देरी हो गयी तथा पोत और अधिक प्रतिक्षा नहीं करना चाहता था, तटरक्षक संक्रिया दल के लिए दुविधा जटिल हो रही थी। खराब मौसम के बावजूद, यह निर्णय लिया गया कि मछुवारों का बचाव किसी अनुभवी पायलट के सहयोग से चेतक हेलिकॉप्टर द्वारा किया जाए।

3. अफसर ने इस कार्य की जिम्मेदारी ली और वह अपने कर्मियों के साथ विमान-वाहित हो गया। चेतक हेलिकॉप्टर खराब मौसम अर्थात् बारिस, नीचे बादल, निम्न दृश्यता और झंझावत हवाओं का सामना कर रहा था। उत्कृष्ट उड़ान कौशल और उत्साह के साथ, कमांडेंट अरुणाभ बोस ने मौसम का सामना किया तथा वीएलसीसी को ढूंढ लिया। प्रतिकूल हवाओं, बाधाओं और वीएलसीसी के डैक पर एक बड़े उभार के बावजूद, अफसर ने हेलिकॉप्टर को वीएलसीसी पर उतारा तथा अपने पहले चक्कर में 02 मछुवारों को लेकर कोची छोड़ा। अन्य 09 मछुवारों को लाने के कार्य को ध्यान में रखते हुए, अफसर ने कोची में हेलिकॉप्टर के 'खोज एवं बचाव' विन्यास को 'यात्री' विन्यास में तब्दील किया। विषय परिस्थितियों को पुनः चुनौती देते हुए अफसर ने वीएलसीसी पर हेलिकॉप्टर को उतारा तथा विंच ऑपरेटर को वहीं पर छोड़ते हुए शेष 09 मछुवारों में से 05 को ले जाकर कोची छोड़ा। अपने अंतिम चक्कर में अफसर ने विंच आपरेटर के साथ शेष 04 मछुवारों को लिया तथा सुरक्षित रूप से वापस कोची पहुंचा दिया।

4. उड़ान और अवतरण की अत्यंत विकट परिस्थितियों में अफसर द्वारा प्रदर्शित उत्साह, कौशल, परिस्थितिजनक जानकारी, अनुशासन और नेतृत्व के फलस्वरूप 11 भारतीय मछुवारों का बचाव किया गया तथा सेवा को सम्मान प्राप्त हुआ।

5. कमांडेंट अरुणाभ बोस (0399-ई) ने स्वयं को बखूबी सिद्ध किया है, फलस्वरूप इन्हें तटरक्षक पदक (शौर्य) प्रदान किया जाता है।

6. तटरक्षक पदक प्रदान करने संबंधी नियम 11(i) के तहत तटरक्षक पदक (शौर्य) प्रदान किया जाता है तथा परिणामस्वरूप नियम 13 के अधीन तटरक्षक पदक (शौर्य) प्राप्त करने वाले तटरक्षक कार्मिकों को विशेष भत्ता स्वीकार्य है।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 84–प्रेज/2014––राष्ट्रपति, स्वतंत्रता दिवस, 2014 के अवसर पर उप कमांडेंट सुव्रोज्योति राय (0679-क्यू) को बहादुरी के लिए तटरक्षक पदक (शौर्य) सहर्ष प्रदान करते हैं।

प्रशस्ति उल्लेख

उप कमांडेंट सुव्रोज्योति राय (0679-क्यू) ने 26 जून 2006 को भारतीय तटरक्षक में सेवा आरंभ की।

2. अफसर ने 05 जून, 2013 को भारतीय तटरक्षक पोत सी-148 की कमान संभाली। अफसर ने 07 मार्च 2014 को गोवा तट के पास 'एमटी प्रतिभा भीमा' से 16 दस्युओं को गिरफ्तार करने में प्रमुख भूमिका निभाई।

3. 07 मार्च, 2014 को लगभग 0910 बजे पोत सी-148 मौका स्थल पर पहुंचा तथा पोत 'प्रतिभा भीमा' पर आरोहित हुआ। पत्तन के उप कप्तान ने परित्यक्त पोत पर 12 से 15 व्यक्तियों के देखे जाने की सूचना दी। हालांकि, पोत के ऊपरी डैक/ब्रिज की पूर्णतः छानबीन करने पर कोई व्यक्ति दिखाई नहीं दिया। आंतरिक सभी कक्षों में रोशनी नहीं थी और गहरा अंधेरा था। पोत पर मौजूद व्यक्तियों की संख्या, उनके इरादे तथा उनके पास मौजूद गोलीबारी शस्त्रों आदि की भी जानकारी नहीं थी । स्थिति की गंभीरता का अनुमान लगाते हुए अफसर ने मुख्यालय से पोत सी-133 के कमान अफसर को पोत सी-148 की अस्थायी कमान संभालने के संबंध में नियुक्ति करने का अनुरोध किया, ताकि वे टैंकर पर अभियान को संचालित करने में समर्थ हो सकें क्योंकि उक्त अफसर को पूर्व के बोर्डिंग अभियानों का अनुभव था।

4. उप कमांडेंट सुव्रोज्योति राय के नेतृत्व में, बोर्डिंग पार्टी ने जोखिम का परिकलन करके घुसपैठियों को आत्मसमर्पण करने की आवाज देते हुए हाथों में टार्च लेकर जोड़ों में आगे बढ़ना शुरू किया। पहले व्यक्ति को अंधेरे गलियारे में गिरफ्तार किया जिसने बताया कि पोत पर आठ व्यक्तियों वाले दो समूह थे, जो पिछले दो दिनों से प्रचालन कर रहे हैं। तत्पश्चात, तटीय सुरक्षा पुलिस के आगमन पर, अफसर ने शेष लुटेरों को बाहर निकालने/उन्हें गिरफ्तार करने के लिए संयुक्त अभियान कार्यान्वित किया। लगभग 03 घंटों की तलाशी अभियान के उपरांत 16 लुटेरों को बाहर निकाला गया और उन्हें गिरफ्तार किया गया। अफसर ने परिस्थिति में चार्ज लेने में अनुकरणीय उत्साह, व्यावसायिक सक्षमता और कुशाग्र बुद्धि का प्रदर्शन किया जिसके परिणामस्वरूप सफल और दुर्घटनामुक्त अभियान निष्पादित हो सका।

5. उप कमांडेंट सुव्रोज्योति राय (0679-क्यू) ने स्वयं को बखूबी सिद्ध किया है, फलस्वरूप इन्हें तटरक्षक पदक (शौर्य) प्रदान किया जाता है।

6. तटरक्षक पदक प्रदान करने संबंधी नियम 11(i) के तहत तटरक्षक पदक (शौर्य) प्रदान किया जाता है तथा परिणामस्वरूप नियम 13 के अधीन तटरक्षक पदक (शौर्य) प्राप्त करने वाले तटरक्षक कार्मिकों को विशेष भत्ता स्वीकार्य है।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 85–प्रेज/2014––राष्ट्रपति, स्वतंत्रता दिवस, 2014 के अवसर पर सहायक कमांडेंट अजय चौधरी (0830-एल) को बहादुरी के लिए तटरक्षक पदक (शौर्य) सहर्ष प्रदान करते हैं।

प्रशस्ति उल्लेख

सहायक कमांडेंट अजय चौधरी (0830-एल) ने 21 दिसम्बर 2009 को भारतीय तटरक्षक में सेवा आरंभ की।

2. 08 दिसंबर, 2013 को बंगाल की खाड़ी में 'माडी' चक्रवात के कारण कोलकाता से चेन्नई को मार्गस्त भारतीय तटरक्षक पोत राजतरंग को काकीनाडा में प्रवेश करने हेतु दिशानिर्देशित किया गया। 10 दिसंबर, 2013 को लगभग 0200 बजे पोत को कृष्णापटनम के पास एक चीनी कार्गो पोत 'एमवी शेडोंग' से आपात चिकित्सा निकासी करने संबंधी एक संदेश प्राप्त हुआ। पोत आवश्यक इंतजाम के साथ, चक्रवाती/चुनौतिपूर्ण परिस्थितियों के अंतर्गत अंधेरे के दौरान अल्प सूचना में, मिशन करने के लए 0330 बजे रवाना हुआ।

3. पोत उसी दिन 0800 बजे निर्धारित मिलन स्थल पर चीनी पोत के पास पहुंचा। सहायक कमांडेंट अजय चौधरी ने चिकित्सा निकासी दल का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी ली। 4 से 5 मीटर के उठाव तथा समुद्र स्थिति 5-6 के साथ विद्यमान चक्रवाती परिस्थिति के कारण दिन के दौरान मौसम की स्थिति अत्यंत प्रतिकूल थी। हवा की गति 30 से 35 समुद्री मील थी तथा झोंकों की गति 40 समुद्री मील इन चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में रबड़ की फुलाने योग्य नौका (आरआईबी) को उतारा गया। व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना अफसर ने मिशन को निष्पादित करने के लिए अपने दल का नेतृत्व किया।

4. विद्यमान मौसमी परिस्थितियों में नौका को नियंत्रित करना अत्यंत मुश्किल सिद्ध हो रहा था क्योंकि समुद्र में भारी उठावों के कारण नौका ऊपर उछल रही थी। हालांकि, सभी मुश्किलों का सामना करते हुए, अफसर ने वाणिज्यिक पोत तक पहुंचने के लिए युक्तिपूर्वक नौका का चालन किया। भार से लदा वाणिज्यिक पोत भी काफी ज्यादा दोलित हो रहा था तथा उसके पार्श्व में जाना मुश्किल था। अफसर ने वाणिज्यिक पोत 'एमवी शेडोंग के पार्श्व में सुरक्षित जाने के लिए अभूतपूर्व नौकौशल कुशाग्रता और नौका संचालन योग्यता को प्रदर्शित किया। पोत के पार्श्व में पहुंचने पर रबड़ की फुलाने योग्य नौका (आरआईबी) भारी समुद्री उतार-चढ़ाव में ऊपर नीचे होने लगी। किंतु दल ने पीड़ित कर्मी को सुरक्षित रूप से नौका पर चढ़ाने और उसे वापस पोत तक लाने के कार्य को व्यवस्थित किया। तटरक्षक पोत पर लाने के उपरांत, पीड़ित कर्मी का प्रथम उपचार किया गया। अत्यधिक कष्ट साध्यपूर्ण अभियान में दो घंटों का समय लगा तथा जिसमें एक बहुमूल्य जीवन का बचाव किया गया। मिशन के दौरान प्रदर्शित स्वभाव और जोखिम अवबोधन योग्यता उसके कर्तव्य आह्वान की सीमा से परे है।

5. सहायक कमांडेंट अजय चौधरी (0830-एल) ने स्वयं को बखूबी सिद्ध किया है, फलस्वरूप इन्हें तटरक्षक पदक (शौर्य) प्रदान किया जाता है।

6. तटरक्षक पदक प्रदान करने संबंधी नियम 11(i) के तहत तटरक्षक पदक (शौर्य) प्रदान किया जाता है तथा परिणामस्वरूप नियम 13 के अधीन तटरक्षक पदक (शौर्य) प्राप्त करने वाले तटरक्षक कार्मिकों को विशेष भत्ता स्वीकार्य है।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 86–प्रेज/2014––राष्ट्रपति, स्वतंत्रता दिवस, 2014 के अवसर पर निम्नलिखित अफसरों को सराहनीय सेवा के लिए तटरक्षक पदक सहर्ष प्रदान करते हैं-

(i) उपमहानिरीक्षक नरेश कुमार कौल (एम-0204)

(ii) उपमहानिरीक्षक कल्पित दीक्षित (एम-0237)

2. सराहनीय सेवा के लिए तटरक्षक पदक प्रदान करने संबंधी नियम 11(ii) के तहत तटरक्षक पदक (सराहनीय सेवा) प्रदान किया जाता है।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

दिनांक 20 अक्तूबर, 2014

सं. 87–प्रेज/2014––राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री अभय नारायण शुक्ला
निरीक्षक

उन सेवाओं का विवरण जिन के लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 22.6.2007 को जलालुद्दीन और नौशाद नामक हुजी के पाकिस्तान प्रशिक्षित खूँखार आतंकवादियों के लखनऊ शहर के अमीनाबाद क्षेत्र में घातक हथियारों एवं भारी विस्फोटकों के साथ मौजूद होने के बारे में जानकारी मिली ।

उन्हें रात्रिकाल मे कैसरबाग बस अड्डे से एक बस में चढ़ना था । श्री अविनाश मिश्र, इंस्पेक्टर एस टी एफ तथा श्री बी.एम. पाल, एस आई के नेतृत्व में दो टीमें आतंकवादियों को पकड़ने के लिए दिनांक 23.6.2007 को लगभग 0015 बजे कैसरबाग पहुँची। पहली टीम ने रेजिडेंसी के सामने दक्षिणी तिराहे पर मोर्चा संभाला और दूसरी टीम को उच्च न्यायालय तिराहे पर तैनात किया गया। कुछ देर बाद दो व्यक्ति बैग लिए हुए एक रिक्शे से सी एम ओ कार्यालय की तरफ से आए। वे रिक्शे से नीचे उतरे । श्री अभय नारायण शुक्ला, इंस्पेक्टर, श्री धर्मेश कुमार शाही, एस.आई. और पहली टीम के अन्य सदस्य सावधानी पूर्वक उनकी ओर बढ़े। उन्हें रूकने और आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया। उनमें से एक ने अचानक पुलिस दल पर गोली चला दी। सौभाग्यवश श्री ए.एन. शुक्ला इंस्पेक्टर और श्री डी.के. शाही, एस.आई. बाल-बाल बच गए। दोनों सावधानीपूर्वक अंधेरे में उनकी ओर बढ़े। दोनों आतंकवादियों की गोली बारी के दायरे में थे। उन्होंने अदम्य साहस एवं कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया और अपनी जान भी जोखिम में डाली। चूंकि आतंकवादियों ने फिर से पुलिस दल पर गोली चलाई, इसलिए दोनों अधिकारियों ने आत्मरक्षा में नियंत्रित एवं सीमित गोलीबारी की। तब तक यह स्पष्ट हो गया था कि वे वास्तव में खूँखार आतंकवादी थे और घातक हथियारों से लैस थे। दूसरी टीम बचाव में गोलीबारी करने के लिए, यदि आवश्यक हुआ तो, उस स्थान पर पहुँच गयी। छाए हुए घने अंधेरे का लाभ उठाकर, अपने वृहत्त अनुभव का उपयोग करते हुए इंस्पेक्टर ए.एन. शुक्ला और एस. आई. डी के शाही अपनी जान जोखिम में डालकर आतंकवादियों की ओर बढ़े तथा अत्यधिक साहस एवं स्फूर्ति का परिचय देते हुए दोनों खूँखार आतंकवादियों को सफलतापूर्वक पकड़ लिया। उस समय उनमें से एक पुलिस दल पर गोलीबारी करने के इरादे से पिस्तौल की स्लाइड खींच रहा था और दूसरा भरा हुआ एके-47 थैले से बाहर निकाल रहा था।

पुलिस द्वारा की गई बरामदगियों का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

1. एक एके-47 राइफल, दो मैगजीन और 60 जिंदा कारतूस
2. एक 7.62 बोर की स्टार पिस्तौल, 02 जिंदा कारतूस और 7.62 बोर के 4 खाली खोखे
3. 9 कि.ग्रा. भारी विस्फोटक
4. 10 डेटोनेटर
5. 9 वोल्ट बैटरी एवं तार के साथ 04 टाइमर एलार्म घड़ी
6. 20 हथगोले

इस मुठभेड़ में श्री अभय नारायण शुक्ला, निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पदक, पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (1) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरुप नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 23.6.2007 से दिया जाएगा।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi the 15th August, 2014

No. 73-Pres/2014 – The President is pleased to approve the award of the "Ashoka Chakra" to the under mentioned person for the acts of most conspicuous gallantry:-

1. IC-72861M MAJOR MUKUND VARADARAJAN, THE RAJPUT REGIMENT / 44TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award: 25 April, 2014)

On 25 April 2014, Major Mukund Varadarajan, Company Commander, received information about the presence of three terrorists in village of Shupiyan district of Jammu and Kashmir. This group had targeted polling officials just a day prior. Major Mukund acted swiftly by deploying troops in an effective cordon and simultaneously evacuated civilians from the target house.

Major Mukund personally led the demolition team and valiantly demolished the target house fearlessly while exposed to terrorist fire. This aggressive action forced the terrorists to shift their position to an outhouse in the compound.

Major Mukund along with his buddy displaying raw courage chased the terrorists and closed in to the terrorists hiding in the outhouse. The officer lobbed a grenade inside the cement outhouse killing one terrorist instantaneously while he was himself in the open. Another terrorist present in the outhouse opened a burst of auto fire thereby seriously injuring Major Mukund. Although bleeding profusely, unmindful of his grave injury and displaying most conspicuous bravery the officer crawled ahead, fired and neutralized the second terrorist. The elimination of terrorist by Major Mukund restored faith of public in democracy and the Indian Army. The elimination of the District Commander dealt a body blow to the tanzeem. Major Mukund Varadarajan was evacuated but succumbed to his injuries.

Major Mukund Varadarajan exhibited most conspicuous bravery and exemplary leadership and made the supreme sacrifice while fighting with the terrorists.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 74-Pres/2014 – The President is pleased to approve the award of the "Shaurya Chakra" to the under mentioned persons for the acts of gallantry:-

1. 5048243X LANCE NAIK BHARAT KUMAR CHHETRI, 3/1ST BATTALION THE GORKHA RIFLES

(Effective date of the award: 05 September, 2013)

At 0300 hours on 05 September 2013, a Pakistani 'Border Action Team' comprising four terrorists and four regular Pakistani soldiers attempted to raid the tactically significant 'Abdul Hut' post along the Line of Control in Jammu and Kashmir. The Pakistani Team was detected through a Hand Held Thermal Imager and tracked. Lance Naik Bharat Kumar Chhettri manning the Rocket Launcher fearlessly stood in the open displaying nerves of steel and mastery over the weapon, fired a High Explosive rocket at the column, hitting the raid party. The raid party immediately scattered. The terrorist group was tracked till 0500 hours, when it was again engaged. L/Nk Bharat sensed that the column could escape and disregarding the personal danger to himself, gallantly manoeuvered to a better firing position under effective enemy fire. His second round fired from an open position also found its mark. His bravery and raw courage under fire, steely nerves and field craft ensured that the enemy's raid was foiled with one foreign terrorist and one Pakistani Havildar was killed which was confirmed by own intelligence agencies.

Lance Naik Bharat Kumar Chhetri displayed outstanding raw courage, audacity, and total disregard to personal safety in face of the enemy while fighting with the terrorists.

2. 4368146K NAIK ANSAIGRA BASUMATARY, 5TH BATTALION THE ASSAM REGIMENT

(Effective date of the award: 22 September, 2013)

On 22 September 2013 three ambushes were deployed to cover the infiltration route of terrorists. Naik Ansaigra Basumatary was deployed in an ambush at Guchhi III in the Lashdat Nar Area of Kupwara district of Jammu and Kashmir. At 0655 hours on 23 September 2013 the ambush party observed some suspicious move at about 200 metre ahead. The entire ambush party was alerted. Terrorists move was continuously tracked. When the terrorists were around 20 metres away, the ambush was sprung with bravery and disregarding personal safety. There was a prolonged exchange of automatic, AK-47 and Under Barrel Grenade Launcher fire between the ambush party and the terrorists. Naik Ansaigra displaying courage brought

down heavy volume of accurate Light Machine Gun fire on the terrorists which resulted in the elimination of three terrorists and recovery of large amount of warlike stores.

Naik Ansaigra Basumatary, thus demonstrated dauntless courage, conspicuous bravery, presence of mind, while fighting with the terrorists.

3. JC-539962H SUBEDAR PRAKASH CHAND, 8TH BATTALION THE KUMAON REGIMENT (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award: 28 October, 2013)

On the night of 28 October 2013, Subedar Prakash Chand was leading an anti infiltration patrol from Bhim post to Kaman post at Baramulla district of Jammu and Kashmir. At about 0015h, the patrol was fired upon from across the LOC with heavy volume of Small Arms, Under Barrel Grenade Launcher and Rocket Propelled Grenades. Subedar Prakash Chand in a swift action ordered the patrol to adopt lying position and with unparalleled gallantry engaged the location from where heavy firing was causing damage and danger to his team. While bringing his own men to safety, Subedar Prakash Chand sustained a splinter injury on his right thigh. Bleeding profusely with grievous injury the JCO bravely continued firing till he received a fatal splinter injury on his head. Subedar Prakash Chand fought valiantly till his last breath befitting the highest traditions of Indian Army.

Subedar Prakash Chand displayed conspicuous gallantry beyond call of duty, indomitable courage and selfless devotion and made the supreme sacrifice while fighting with the terrorists.

4. IC-72726Y MAJOR SATNAM SINGH, THE CORPS OF ENGINEERS /
15TH BATTALION THE ASSAM RIFLES

(Effective date of the award: 09 December, 2013)

On 09 December 2013, Major Satnam Singh received information regarding six heavily armed KNF(N) terrorists hiding in the general area Nepali Khuti II at Thoubal district of Manipur. While searching, own scouts came under heavy and effective fire pinning down the entire party. With utter disregard to personal safety Major Satnam gallantly rushed forward with his buddy Hav Navindra across the open ground disregarding his own vulnerability. The officer directed his buddy to provide suppressive fire and closed in with one hardcore terrorist and eliminated him at close range. The gallant act by the officer resulted in elimination of two and injuring one hardcore terrorist in the ensuing gun battle with 21 PARA (Special Forces) and recovery of huge cache of arms and ammunition.

Major Satnam displayed exemplary leadership, indomitable valour, courage and gallantry in eliminating/apprehending hardcore terrorists with arms and ammunition.

5. IC-64002M MAJOR ABHISHEK KUMAR, THE PUNJAB REGIMENT /
22ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

(Effective date of the award: 13 January, 2014)

On 02 October 2013, Major Abhishek exhibited unmatched leadership and professional competence by personally disarming and apprehending a local terrorist in close combat in a village of Sopore district of Jammu and Kashmir. Interrogation of the individual revealed presence of one more terrorist in another village of sopore district, who was later apprehended personally by the officer on 11 October 2013.

On 13 January 2014, based on input regarding presence of terrorists in village of Sopore, Major Abhishek Kumar established effective cordon of the target house. At 1335 hrs, during search, terrorists fired indiscriminately from the target house and injured Sowar Sidheswar Pradhan. Officer retaliated by aimed fire, pinned down terrorists and pulled the injured officer to the safety point. The officer showing utter disregard for his personal safety, raw courage, tactical acumen, crawled forward under heavy fire and eliminated one terrorist. At the same moment second terrorist fired and tried to escape. Inspite of heavy volume of fire directed onto him, officer closed in and eliminated him from close range. Two terrorists were killed personally by Major Abhishek which were later identified as dreaded terrorists of Jaish-e-Mohammad.

Major Abhishek Kumar, demonstrated indomitable courage, conspicuous gallantry and exhibiting outstanding leadership while eliminating two hard core terrorists.

6. IC-65352L MAJOR MANOHAR SINGH BHATI, SENA MEDAL, THE PARACHUTE REGIMENT /
31st BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

(Effective date of the award: 24 February, 2014)

Major Manohar Singh Bhati was the team commander of 31 Rashtriya Rifles attached with 18 Rashtriya Rifles tasked for search and destroy operations in General Area Daradpura of Jammu and Kashmir on 24 February 2014.

The officer meticulously planned the operation, led the team personally and displaying raw courage established contact with a terrorist hideout deep in the jungles, in waist-deep snowbound conditions. Unmindful of personal safety, he charged and killed one terrorist at point blank range. The terrorists retaliated with heavy fire on his team. Sensing the grave danger to his comrades and the need to maintain contact, the officer displaying courage, bold audacity, ice-cold nerves and concern for the safety of his team, fearlessly charged the remaining terrorists and shot down a second terrorist.

Seeing the daring courage of the officer another terrorists broke ranks and ran directly into the waiting ambushes, sited personally by the officer. The action of the officer was instrumental which resulted elimination of five hardcore foreign terrorists in the operation and destroyed the Lashkar-e-Toiba network in Lolab.

Major Manohar Singh Bhati, displayed raw courage, dogged determination, conspicuous valour and exemplary leadership beyond the call of duty resulting him in personally eliminating two hardcore terrorists.

7. IC-73277F MAJOR VISHAL SINGH RAGHAV, RAJPUTANA RIFLES / 18TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

(Effective date of the award: 24 February, 2014)

Major Vishal Singh Raghav is the Company Commander at Markul since 01 November 2012. The officer has established an effective intelligence network.

On receipt of information of presence of terrorist in Dardpura Forest of Jammu and Kashmir on 24 Feb 2014, Major Vishal Singh Raghav led a patrol for searching of the terrorists in the snow bound forest. While the patrol was moving uphill in waist deep snow clad forest, it came under volley of terrorists fire from a very close range. Major Vishal despite grave danger displayed courage and maintained ice cool nerves and retaliated. He promptly manoeuvred his team and blocked the escaping terrorists. Under intense hostile fire with total disregard to his personal safety, he closed in with terrorists and neutralised one terrorist and incapacitated another. Though the terrorists outnumbered the patrol party, he displayed exceptional bravery and prevented terrorists breaking contact. He called for additional troops and guided them to the encounter site to ensure dissipation of the entire group of foreign terrorists. Throughout the operation, Major Vishal gallantry led his team, maintained contact with terrorists, sited and guided fire on terrorists which resulted in elimination of seven hard core foreign terrorists of Lashkar-e-Toiba.

Major Vishal Singh Raghav showed initiative, exceptional courage, exemplary leadership and camaraderie, while eliminating hard core foreign terrorists of Lashkar-e-Toiba.

8. LIEUTENANT COMMANDER MANORANJAN KUMAR (52423 T) (POSTHUMOUS).

(Effective date of the award: 25 February, 2014)

Lt Cdr Manoranjan Kumar (52423 T) joined INS Sindhuratna in Jan 12. He was appointed as Watch-Keeping Officer (Electrical), Diving Officer and Officer-in-Charge of IIIrd compartment.

The submarine sailed on 25 Feb 14 with a crew of 94 personnel embarked onboard for sea examination post completion of refit. During the early hours of 26 Feb at about 0530 h, excessive build-up of smoke was reported in the IIIrd compartment which also houses one-half of the submarine's main batteries. Lt Cdr Manoranjan Kumar, in his capacity as the officer-in-charge immediately mobilized all available personnel and damage control assets and commenced valiant effort towards controlling the grave emergency. As the ambient temperature in the compartment increased due to heat and as the visibility reduced, the officer, unmindful of his personal safety continued to fight the emergency. At one stage, he realised that conditions for human survival in the vicinity of damage had deteriorated and he immediately ordered evacuation of his team numbering 13 personnel to safer areas thus drastically reducing the number of casualties. He not only did the fire-fighting himself but also provided extremely vital inputs to the Command Post on the status of damage control and further likely implications. He limited the damage to the localised area preventing the spread to the battery compartment below thus obviating an extremely dangerous possibility of damage to entire submarine. Survivors have corroborated that by this time breathing had become extremely difficult but Lt Cdr Manoranjan continued pushing his crew to safety and fought the emergency undeterred. He was last seen fighting the fire/smoke, rather than saving himself. His exemplary effort to douse the smoke in extremely hazardous conditions was beyond the call of duty, which ensured survival of 94 crew members and safety of submarine.

Lt Cdr Manoranjan Kumar displayed dogged determination and exceptional courage when heavy fire occurred in the 3rd compartment in the submarine and made the supreme sacrifice while saving the 94 crew members in the submarine.

9. LIEUTENANT COMMANDER KAPISH SINGH MUWAL (52360 Z) (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award: 25 February, 2014)

Lt Cdr Kapish Singh Muwal (52360 Z) joined INS Sindhuratna in Aug 11 and was appointed as the Deputy Electrical Officer and Oi/c Vth Compartment at the time of the incident.

The submarine sailed on 25 Feb 14 with a crew of 94 personnel embarked onboard for sea examination post refit. Lt Cdr Kapish Singh Muwal was at his post in the Vth compartment when excessive smoke was reported in the IIIrd compartment. On hearing the emergency, he immediately rushed to scene of damage in the IIIrd compartment and being the senior-most officer present took charge of the fire-fighting team and all available assets. As the Deputy Electrical Officer, he had in-depth knowledge of the battery compartment and could appreciate the likely damage an increasing fire could cause to the battery compartment below and therefore to the submarine. As the smoke and heat kept increasing, the officer, with unparalleled determination and resolve, continued his efforts to douse the fire/smoke while evacuating his team of 13 personnel's to safety with the aim of saving as many lives as possible. The officer was last seen fighting to contain the extent of damage, even while the compartment was being evacuated. His singular act of preventing the damage from spreading to the battery compartment below prevented massive structural damage to the entire submarine and survival of the crew comprising of 94 personnel embarked on the submarine. Survivors have corroborated that the officer's bravery in the face of danger was characterised by sacrifice, selflessness and courage of the highest order, which ensured safety of the entire submarine.

Lt Cdr Kapish Singh Muwal displayed dogged determination and exceptional courage when heavy fire occurred in the 3rd compartment in the submarine and made the supreme sacrifice while saving the 94 crew members in the submarine.

10. WING COMMANDER HUVEY UPADHYAYA (25850) FLYING (PILOT)

(Effective date of the award: 01 March, 2014)

Wing Commander Huvey Upadhyaya (25850) Flying (Pilot) is from the Helicopter stream and since 26 Nov 12 he is on the posted strength of a Cheetal / Cheetah Helicopter Unit that operates in the Siachen Glacier. He has over 3200 hrs of accident / incident free flying.

On 01 Mar 14 at 1140 hrs, when Wg Cdr Upadhyaya was flying an air maintenance sortie to Zulu helipad, he received an urgent message from the ATC, stating that an Army ALH helicopter whose ETA was 1105 hrs had not returned to Base Camp and was not contactable. Wg Cdr Upadhyaya displayed courage, initiative and high situational awareness in reacting to the prevalent situation. He offloaded his helicopter at the helipad and set course in search & rescue of the overdue Army helicopter. Undeterred by the fast deteriorating weather and discounting his personal safety, he continued searching for the helicopter. He located the wreckage of the crashed helicopter near Kaziranga post at an altitude of 17,600 ft. The terrain of the crash site was undulating, mired by deep crevasses covered with soft snow and had a high slope gradient. The strong winds prevalent at that time made landing the helicopter in the area an extremely difficult task. Even a delay of five minutes would have led to closure of the weather window and the rescue opportunity would have been lost. This would have led to certain death of the pilots of the crashed helicopter due to extreme cold, high altitude, shock and injuries. Exhibiting utmost courage and exceptional flying skills, he landed his helicopter in between the crevasses near the crash site. While on partial power, he hovered his helicopter ensuring that edge of the helicopter ski was in light contact with the soft snow and rescued the injured pilots. Throughout this operation, he was under constant threat of enemy observation. Even a slight mishandling of helicopter controls during the operation would have led to a catastrophic accident. Through his valiant act under trying and near impossible conditions, he saved the lives of two army pilots and accentuated the spirit of jointmanship.

Wing Commander Huvey Upadhyaya displayed exceptional courage, resolute determination and extraordinary flying skills, while saving the lives of two army pilots.

11. 3005411L SEPOY VIKRAM, THE RAJPUT REGIMENT / 44TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)

(Effective date of award 25 April, 2014)

On 25 April 2014, Sepoy Vikram was part of an operation in Village of Shupiyan district of Jammu and Kashmir. As Major Mukund Varadarajan's buddy, Sepoy Vikram assisted the officer in preparation and placing of charges in the target house. Sepoy Vikram repeatedly exposed himself to danger as he provided security to the officer.

By about 1800 hours, the terrorists were confined to an outhouse with difficult stand-off access. Displaying courage and with resolve, Sepoy Vikram accompanied the officer as the duo crawled to the outhouse. As Major Mukund Varadarajan was injured in the process of eliminating two terrorists, Sepoy Vikram threw caution to the winds. Displaying camaraderie and an acute sense of mission orientation, he jumped ahead of the officer while calling for his evacuation. Thus, the brave jawan willfully placed himself in harm's way.

The third terrorist, sensing threat, fired indiscriminately injuring Sepoy Vikram. The resolute jawan held on despite his injuries and shot the terrorist at close quarters as he tried to escape. In the second exchange of fire, Sepoy Vikram received a Gun Shot Wound to the head and neck and succumbed on the spot.

Sepoy Vikram displayed conspicuous gallantry beyond and above the call of duty, indomitable courage and selfless devotion much beyond of his age and service and made the supreme sacrifice while fighting with the terrorists.

12. 5352474K RIFLEMAN PREM BAHADUR ROKA MAGAR, 2/4TH BATTALION THE GORKHA RIFLES

(Effective date of the award: 10 May, 2014)

On 09 May 2014, being member of ambush located at LOI-22 in the Baghialdara Nalla at Punch District of Jammu and Kashmir, Rifleman Prem Bahadur Roka Magar was entrusted with guarding one of the likely infiltration routes of the terrorist detected through HHTI dets located at Kalas OP.

At 0230 hours on 10 May 2014 contact was established with the terrorists and fire fight ensued. As the terrorist scattered, one terrorist moved close to his ambush party. During the fire fight, Rifleman Prem thinking the terrorist as his buddy called for him. The terrorist did not respond and slowly turned his weapon towards him, Rifleman Prem courageously caught the muzzle on the terrorist's weapon while the terrorist opened fired and emptied his magazine. A hand to hand combat ensued between the two and Rifleman Prem then punched the terrorist on his face and pushed him to the Nalla. During this unarmed combat, Rifleman Prem had dropped his weapon. Realizing that the terrorist might escape, with complete disregard to personal safety and using his presence of mind, the NCO threw a grenade on to the fleeing terrorist which injured him on his leg. The grenade splinter immobilized the terrorist which prevented him from escaping across the Line of Control.

Rifleman Prem Bahadur Roka Magar, displayed highest level of bravery, indomitable courage, conspicuous gallantry and exhibiting outstanding leadership during hand to hand combat with terrorists and critically injuring the terrorists.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 75-Pres/2014 – The President is pleased to approve the award of the "Sena Medal/Army Medal" to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage :—

1. IC-56366K LIEUTENANT COLONEL PAONAM ROMESH SINGH
THE KUMAON REGIMENT / 50TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

2. IC-63075M MAJOR MANI INDER PAL
THE GRENADIERS / 29TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

3. IC-63384P MAJOR GAURAV SOLANKI
4TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

4. IC-63960N MAJOR SUBHRAPRATIM BOSE
THE JAMMU AND KASHMIR RIFLES/
3RD BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

5. IC-64204N MAJOR DUSHYANT POONIA
ARMY SERVICE CORPS / 55TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

6. IC-65062N MAJOR KASHISH WADHWA
THE SIKH REGIMENT / 6TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

7. IC-65667P MAJOR SANJAYA KUMAR
BRIGADE OF THE GUARDS / 21ST BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

8. IC-67047X MAJOR RAHUL SINGH
THE SIKH LIGHT INFANTRY / 19TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
(POSTHUMOUS)

9. IC-68833H MAJOR SREEKANT R
THE RAJPUT REGIMENT / 44TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

10. IC-69885L MAJOR PARAG GOMBER
THE RAJPUTANA RIFLES / 9TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

11. IC-70439W MAJOR VIKAS KUMAR
REGIMENT OF ARTILLERY / 1ST BATTALION THE ASSAM RIFLES

12. IC-73196F MAJOR HIMANSHU PAREEK
ARMOURED CORPS / 53RD BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

13. IC-73754X MAJOR VIRENDRA SINGH CHANDEL
THE GRENADIERS / 29TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

14. SS-42879N CAPTAIN RINTOMON THACHIL
21ST BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

15. IC-75916W LIEUTENANT PANKAJ KUMAR
18TH BATTALION THE MAHAR REGIMENT

16. IC-76425M LIEUTENANT ABHAY SHARMA
1ST BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

17. JC-540555M SUBEDAR DHYAN SINGH ADHIKARI
THE KUMAON REGIMENT / 50TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

18. JC-612640N SUBEDAR TEK BAHADUR RANA
2/4TH BATTALION THE GORKHA RIFLES

19. 3192105Y HAVILDAR DULI CHAND
2ND BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

20. 13622406L HAVILDAR WARKADE ASHOK SHANKAR,
2ND BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

21. 13622568W HAVILDAR SUNIL KUMAR SINGH
THE PARACHUTE REGIMENT / 18TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

22. 2895600Y NAIK KARTAR SINGH
THE RAJPUTANA RIFLES / 18TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

23. 2998440K NAIK SAMIR KUMAR MIDYA
2ND BATTALION THE RAJPUT REGIMENT

24. 4571766P NAIK GOURAB SEN
18TH BATTALION THE MAHAR REGIMENT

25. 13623908A NAIK MANILAL DEB BARMA
9TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

26. 2608053X LANCE NAIK MOHD FEROZ KHAN
THE MADRAS REGIMENT / 38TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
(POSTHUMOUS)

27. 2897845N LANCE NAIK HAMMA RAM
THE RAJPUTANA RIFLES / 18TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

28. 13623989L LANCE NAIK DHARMA NAND PANDEY
THE PARACHUTE REGIMENT / 31ST BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

29. 14439779F LANCE NAIK SANJAY KUMAR
REGIMENT OF ARTILLERY / 62ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

30. 15157908W LANCE NAIK V ANTHONY NIRMAL VIJI
REGIMENT OF ARTILLERY/111 ROCKET REGIMENT (POSTHUMOUS)

31. 15572631N LANCE NAIK WAGH KAILASH LAHU
CORPS OF ENGINEERS / 107TH ENGINEER REGIMENT (POSTHUMOUS)

32. 18003189H LANCE NAIK DEEPAK KUMAR VERMA,
CORPS OF ENGINEERS / 70TH ENGINEER REGIMENT (POSTHUMOUS)

33. 2501110W SEPOY JAGDEEP KUMAR
THE PUNJAB REGIMENT / 22ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

34. 2502628W SEPOY AJIT KAPOOR
THE PUNJAB REGIMENT / 22ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

35. 4367466M SEPOY SENTIREMBA
5TH BATTALION THE ASSAM REGIMENT

36. G/5002293K RIFLEMAN CHAMAN LAL
1ST BATTALION THE ASSAM RIFLES

37. G/5010541K RIFLEMAN PRASANAJIT BAL
1ST BATTALION THE ASSAM RIFLES

38. 15164971N GUNNER MOHAMMED EJRAEL SHAIKH
REGIMENT OF ARTILLERY/111 ROCKET REGIMENT

39. 15621991W GUARDSMAN SUNIL KUMAR
BRIGADE OF THE GUARDS / 21ST BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 76- Pres/2014 – The President is pleased to approve the award of the "Nao Sena Medal/Navy Medal" to COMMANDER GOSAVI KAUSTUBH VIJAYKUMAR (03657-K) for the acts of exceptional courage.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 77-Pres/2014 – The President is pleased to approve the award of the "Vayu Sena Medal/Air Force Medal" to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage :—

1. WING COMMANDER ABHYANKAR ANIKET SANTOSH (24497)
FLYING (PILOT)

2. WING COMMANDER RAHUL SHUKLA (25845) FLYING (PILOT)

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 78 –Pres/2014 – The President is pleased to give orders for publication in the Gazette of India of the names of the undermentioned officers/personnel for "Mention in Despatches" received by the Raksha Mantri from the "Chief of the Army Staff" :—

OPERATION RAKSHAK

1. IC-62911Y MAJ VIVEK YADUBANSHI, 3/1 GR
2. IC-63475Y MAJ ANIL KUMAR YADAV, ARMY AVN, 37 (I) R & O FLT
3. IC-67051A MAJ AMANDEEP SINGH, ASC, 30 RR
4. IC-70723M MAJ SUSHIL CHAND, ENGRS, 6 RR
5. IC-72403W MAJ SIDDHARTHA SINHA, 7 GARH RIF
6. 4078449N NK TRILOK SINGH, 3 GARH RIF
7. 4078472F NK CHATUR SINGH, 3 GARH RIF
8. 9104594A NK TILAK RAJ, 17 JAK LI
9. 4283389X L/NK MANGRA ORAON, 15 BIHAR
10. 4286978Y SEP DHARMENDRA KUMAR YADAV, 15 BIHAR
11. 4581457A SEP MAGRE RAHUL BHIMRAO, MAHAR, 30 RR
12. 3009746A SEP PRASHANT KUMAR, RAJPUT, 44 RR

13. 4201803F SEP AJAY VEER, KUMAON, 50 RR

14. 2502449W SEP JOGINDER SINGH MANHAS, PUNJAB, 53 RR

15. 4088524A RFN RAJESH SINGH, 3 GARH RIF

16. 13771971F RFN ARVIND PARIHAR, JAK RIF, 3 RR

17. 2703346N GDR UMRAV GURJAR, 5 GRENADIERS

18. 15619678M GDSM RAM LAL MEENA, GUARDS, 21 RR

19. 13627254Y PTR GOVIND SINGH, PARA, 18 RR (POSTHUMOUS)

20. 15176479P GNR ANIL SINGH BHADWAL, ARTY, 18 RR

21. 15498789Y SWR SIDHESWAR PRADHAN, ARMD, 22 RR

OPERATION MEGHDOOT

1. 15427804Y NK GURSEWAK SINGH, AMC, 328 FD HOSP (POSTHUMOUS)

OPERATION RHINO

1. IC-63148N MAJ KUSHVIR NANDA, 2 RAJPUT
2. 4374618L SEP DIPAK DEKA, 2 ASSAM
3. G/5005610L RFN M THANGBOY HAOKIP, 33 AR

OPERATION HIFAZAT

1. 3407567P SEP RAJVINDER SINGH, 18 SIKH

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 79-Pres/2014 - The President is pleased to award the Fire Service Medal for Gallantry to the under-mentioned Officers of Tamil Nadu Fire & Rescue Services :—

i) Shri Gurusamy Subramanian
Fireman
Tamil Nadu

ii) Shri Kasi Pandian Arunachala Pandian
Fireman
Tamil Nadu

2. On dated 23.11.2013 at 05.55 hrs, a rescue call was received at the Control Room, Rajapalayam Fire & Rescue Services Station about the collision of a State Government bus with a Private bus Sri Jai Bharath on the route Rajapalayam to Thenkasi Road, near Moolakarai Vinayagar Kovil. Immediately crew with one Fire Tender headed by Shri S. Paramasivam, Station Officer rushed to the spot. On reaching at the scene of incident crew seen a private bus inside a well of 50 feet depth. The bus was upside down in the well and the passengers inside the bus were screaming for help. Fireman G. Subramanian and K. Arunachala Pandian knowing fully that the well had no steps and the possibility of presence of venomous snakes inside the well, entered into the well without caring for their own lives with the help of ropes. On reaching the bus they got into the bus through window and found that three women and two men were in a state of deep shock and screaming for help. They rescued three women and two men one by one with the help of rescue knots. They also rescued the dead body of the driver.

3. Fireman, Shri Gurusamy Subramanian and Shri Kasi Pandian Arunachala Pandian, thus, displayed conspicuous gallantry, exemplary courage, professional expertise and devotion to duty of a very high order.

4. These awards are made for gallantry under Rule 3(i) of the Rules governing the award of Fire Service Medal for Gallantry and consequently carries with it special allowance admissible under rule 5(a) w.e.f. 23.11.2013.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 80-Pres/2014 – The President is pleased on the occasion of the Independence Day, 2014 to award the President's Fire Service Medal for Distinguished Service to the under mentioned officers :—

1. SH. RAJINDER KUMAR HAK
JOINT DIRECTOR
JAMMU & KASHMIR

2. SHRI LOKESH B. MUTTAPPA
ASST. FIRE STATION OFFICER
KARNATAKA

3. SHRI RAGHAB MALLICK
FIREMAN
ODISHA

4. SHRI ARBIND KUMAR
ASST. COMMANDANT (FIRE)
C.I.S.F., M.H.A.

5. SHRI GIAN CHAND
ASST. SUB-INSPECTOR (FIRE)
C.I.S.F., M.H.A.

6. SHRI SANTOSH KUMAR
HEAD CONSTABLE (FIRE)
C.I.S.F., M.H.A.

2. These awards are made under Rule 3 (ii) of the rules governing the award of President's Fire Service Medal for Distinguished Service.

SURESH YADAV
OSD to the President

———————

No. 81-Pres/2014 – The President is pleased on the occasion of the Independence Day, 2014 to award the Fire Service Medal for Meritorious Service to the under mentioned officers :—

1. SHRI RAMESH CHANDRA KALITA
STATION OFFICER
ASSAM

2. SHRI UMESH CHANDRA DEKA
SUB-OFFICER
ASSAM

3. SHRI NRIPENDRA CHANDRA KALITA
LEADING FIREMAN
ASSAM

4. SHRI R.M. DHODI
SUB-OFFICER
DADRA &NAGAR HAVELI

5. SHRI S.C. PATEL
DRIVER
DADRA &NAGAR HAVELI

6. SHRI AMRATLAL KARSAN VALA
ASST. DIVISIONAL FIRE OFFICER
DAMAN & DIU

7. SHRI SATYAPAL SINGH BHARDWAJ
ASSTT. DIVISIONAL OFFICER
DELHI

8. SHRI ANUP SINGH
LEADING FIREMAN
DELHI

9. SHRI AMRESH PAL
LEADING FIREMAN
DELHI

10. SHRI ARJUN SHANKAR PARAB
SUB-OFFICER
GOA

11. SHRI BHALCHANDRA G. VELIP
LEADING FIREFIGHTER
GOA

12. SHRI RAMA DAMODAR NAIK
DRIVER OPERATOR
GOA

13. SHRI ROMESH CHANDER RAINA
ASSTT. DIRECTOR
JAMMU & KASHMIR

14. SHRI VIJAY KUMAR BHAT
STATION OFFICER
JAMMU & KASHMIR

15. SHRI MAHANAND SINGH
ASST. DIVISIONAL FIRE OFFICER
JHARKHAND

16. SHRI RISHI KUMAR TIWARI
LEADING FIREMAN DRIVER
JHARKHAND

17. SHRI RAMANNAGOWDA HANUMAIAH
DISTRICT FIRE OFFICER
KARNATAKA

18. SHRI SHANTKUMARCHARI SHANKARACHARI
FIRE STATION OFFICER
KARNATAKA

19. SHRI SHIVARUDRAPPA VEERANANJAPPA
ASST. FIRE STATION OFFICER
KARNATAKA

20. SHRI KISHORKUMAR
ASST. FIRE STATION OFFICER
KARNATAKA

21. SHRI P.R. SUNIMON
FIREMAN DRIVER-CUM-PUMP OPERATOR
KERALA

22. SHRI MADHUSOODANAN NAIR. G
LEADING FIREMAN
KERALA

23. SHRI P. S. SREE KISHORE
LEADING FIREMAN
KERALA

24. SHRI P.K. SARACHANDRA BABU
LEADING FIREMAN
KERALA

25. SHRI RANJIT SINGH WAHENGBAM
SUB OFFICER
MANIPUR

26. SHRI STRONGER NONGREM
STATION OFFICER
MEGHALAYA

27. SHRI BINOY KUMAR MEDHI
LEADING FIREMAN
MEGHALAYA

28. SHRI UGRASEN SAI
ASSTT. STATION OFFICER
ODISHA

29. SHRI PRAVAKAR SAHOO
ASSTT. STATION OFFICER
ODISHA

30. SHRI SURENDRA NATH GADAPALA
ASSTT. STATION OFFICER
ODISHA

31. SHRI SRIKANTA TAREI
HAVILDAR MECHANIC
ODISHA

32. SHRI BHRAMARABAR SETH
LEADING FIREMAN
ODISHA

33. SHRI SRINIVASAN MURALIDARAN
STATION OFFICER
TAMIL NADU

34. SHRI RAMASAMY ANNAMALAI
FIREMAN DRIVER
TAMIL NADU

35. SHRI PALANIYAPPAN MURUGESAN
FIREMAN
TAMIL NADU

36. SHRI NANDA LAL DAS
STATION OFFICER
TRIPURA

37. SHRI BABUL DEBNATH
SUB OFFICER
TRIPURA

38. SHRI RAM SANEHI
CHIEF FIRE OFFICER
UTTAR PRADESH

39. SHRI SATYAPAL SINGH
CHIEF FIRE OFFICER
UTTAR PRADESH

40. SHRI RAJA BAX SINGH
LEADING FIREMAN
UTTAR PRADESH

41. SHRI HARI SINGH YADAV
LEADING FIREMAN
UTTAR PRADESH

42. SHRI PURAN CHANDRA SHARMA
FIRE STATION OFFICER
UTTARAKHAND

43. SHRI HAREESH CHANDRA
F.S. DRIVER
UTTARAKHAND

44. SHRI SUDHABINDU SIKDAR
FIRE ENGINE OPERATOR CUM DRIVER
WEST BENGAL

45. SHRI PRAN KRISHNA SAHA
FIRE ENGINE OPERATOR CUM DRIVER
WEST BENGAL

46. SHRI SUDHIR DIGAMBER INGLE
COMMANDANT (FIRE)
C.I.S.F., M.H.A.

47. SHRI C. NATARAJAN
ASST. SUB-INSPECTOR (FIRE)
C.I.S.F., M.H.A.

48. SHRI HAMBIR SINGH
HEAD CONSTABLE (FIRE)
C.I.S.F., M.H.A.

49. SHRI RAJKISHOR PRASAD SINGH
ASST. FIRE OFFICER
ONGC, M/O PET. & N. GAS

50. SHRI RAMANBHAI KHODABHAI BHUNATAR
CHIEF FIREMAN
ONGC, M/O PET. & N. GAS

2. These awards are made under Rule 3 (ii) of the rules governing the award of Fire Service Medal for Meritorious Service.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 82-Pres/2014- The President is pleased on the occasion of the Independence Day, 2014 to award the President's Tatrakshak Medal for Distinguished Service to the undermentioned officers :—

(i) Inspector General Kuldip Singh Sheoran, TM (0089-C)

(ii) Deputy Inspector General Mohinder Singh Dangi, TM (0025-E)

2. The President's Tatrakshak Medal for Distinguished Service award is made under Rule-4(iv) of the rules governing grant of the President's Tatrakshak Medal for Distinguished Service.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 83-Pres/2014-The President is pleased on the occasion of the Independence Day, 2014 to award the Tatrakshak Medal for Gallantry to Commandant Arunabh Bose (0399-E).

CITATION

Commandant Arunabh Bose (0399-E) joined the Indian Coast Guard on 10 July 1994.

2. On 14 September 2013, MT Aquarius Wing, a Very Large Container Cargo (VLCC), in coordination with Coast Guard, picked up 11 Indian fishermen from their sinking boat. On direct passage to Japan, the VLCC agreed to handover the fishermen to Coast Guard, provided it was done at the earliest. Due to large draught, the vessel could not come closer than 22 NM from Kochi. Indian Coast Guard Ship C-134, which had sailed out to pick up the fishermen could not sustain the rough sea and bad weather. The weather was not conducive for normal flying either. Meanwhile, the VLCC was getting delayed and was unwilling to wait any longer and the dilemma for Coast Guard operations team was getting complicated. Despite bad weather, it was decided to attempt rescue through a Chetak helicopter by an experienced pilot.

3. The officer took the responsibility and got airborne with his crew. The Chetak experienced bad weather i.e., rain, low clouds, poor visibility and strong winds. With great flying skills and courage, Commandant Arunabh Bose tackled the weather and located the VLCC. Despite unfavorable winds, obstructions and a large camber on the deck of VLCC, he safely landed on the VLCC, picked up 02 fishermen in his first trip and dropped them at Kochi. Considering the task of picking another 09 fishermen the officer changed the helicopter configuration to 'passenger' from 'SAR' at Kochi. Again braving the odds the officer landed on the VLCC and picked up 05 of the remaining 09 fishermen and ferried them to Kochi, leaving the winch operator behind. In the last trip he picked up the remaining 04 fishermen alongwith the winch operator and landed back at Kochi safely.

4. The exceptional courage, skill, situational awareness, discipline and leadership displayed by the officer in extremely difficult flying and landing conditions resulted in rescue of 11 Indian fishermen and brought laurels to the service.

5. Commandant Arunabh Bose (0399-E) has accredited himself well and therefore he is awarded the Tatrakshak Medal (Gallantry).

6. The Tatrakshak Medal (Gallantry) award is made under Rule 11(i) of the rules governing grant of Tatrakshak Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under Rule 13 in respect of Coast Guard personnel who have received the Tatrakshak Medal (Gallantry) award.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 84-Pres/2014- The President is pleased on the occasion of the Independence Day, 2014 to award the Tatrakshak Medal for Gallantry to Deputy Commandant Suvrojyoti Roy (0679-Q).

CITATION

Deputy Commandant Suvrojyoti Roy (0679-Q) joined the Indian Coast Guard on 26 June 2006.

2. The officer assumed Command of Indian Coast Guard Ship C-148 on 05 June 2013. He played major role in apprehension of 16 bandits onboard 'MT Pratibha Bheema' on 07 March 2014 off Goa Coast.

3. C-148 arrived at scene of action at about 0910 hrs on 07 March 2014 and boarded 'Pratibha Bheema'. Deputy Captain of Ports had informed sighting of 12-15 persons onboard derelict vessel. However, no person could be traced after thorough search of the upper decks /bridge. The inner compartments were all unlit and pitch dark. The number of personnel onboard, their motive and carriage of fire Arms was also not known. Realizing the criticality of situation the officer requested Headquarters to depute Commanding Officer C-133 to take over Temporary Command of C-148, to enable him to handle operations onboard tanker as he had experience from previous Boarding Operations.

4. Under leadership of Deputy Commandant Suvrojyoti Roy, boarding party taking calculated risk, moved in pairs with torches in hand, hailing intruders to surrender. The first person was apprehended in the alleyway in darkness who revealed that there were two groups of eight persons each onboard, operating since last 02 days. Subsequently, on arrival of Coastal Security Police, the officer undertook joint operations to flush out nab the remaining brigands. After nearly 03 hours search operations 16 brigands were flushed out and apprehended. The officer displayed exemplary courage, professional competence and able presence of mind in taking charge of the situation resulting in successful and incident free operation.

5. Deputy Commandant Suvrojyoti Roy (0679-Q) has accredited himself well and therefore he is awarded the Tatrakshak Medal (Gallantry).

6. The Tatrakshak Medal (Gallantry) award is made under Rule 11(i) of the rules governing grant of Tatrakshak Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under Rule 13 in respect of Coast Guard personnel who have received the Tatrakshak Medal (Gallantry) award.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 85-Pres/2014- The President is pleased on the occasion of the Independence Day, 2014 to award the Tatrakshak Medal for Gallantry to Assistant Commandant Ajay Choudhary (0830-L).

CITATION

Assistant Commandant Ajay Choudhary (0830-L) joined the Indian Coast Guard on 21 December 2009.

2. On 08 December 2013, due to Cyclone 'Madi' in Bay of Bengal, Indian Coast Guard Ship Rajtarang enroute from Kolkata to Chennai was directed to enter Kakinada. At 0200 hours on 10 December 2013, the ship received message of a

medical emergency onboard a Chinese cargo vessel, 'MV Shadong' off Krishnapatnam. The ship sailed with despatch by 0330 hours to undertake the mission at short notice in dark hours under cyclonic/challenging conditions.

3. The ship effected rendezvous with the Chinese vessel at 0800 hours on the same date. Assistant Commandant Ajay Choudhary took the responsibility of leading the Medical Evacuation team. The weather condition were extremely adverse during the day due to prevailing cyclonic condition with sea states 5-6 and swells of 4-5 metres. The wind speeds were 30-35 knots and gusting upto 40 knots. In those challenging conditions, the Rubber Inflatable Boat (RIB) was lowered. With scant regard to the personal safety, the officer led his team to accomplish the mission.

4. In the prevailing weather conditions, the handling of the boat was proving to be extremely difficult as the boat was getting tossed up by the heavy swells. However against all the odds, the officer manoeuvred the boat to reach the merchant vessel. The merchant vessel, being at ballast was also experiencing heavy roll and it was difficult to go alongside. The officer displayed remarkable seamanship acumen and boat handling ability to go alongside 'MV Shadong' safely. Once alongside, the RIB was swaying up and down in the heavy swell. But, the team managed to embark the casualty onboard safely and returned back to the ship. After embarking CG ship, the casualty was administered first aid. The entire gruelling operation took two hours to complete and one precious life was saved. The temperament and risk taking abilities displayed by the officer during the mission was well beyond the call of his duty.

5. Assistant Commandant Ajay Choudhary (0830-L) has accredited himself well and therefore he is awarded the Tatrakshak Medal (Gallantry).

6. The Tatrakshak Medal (Gallantry) award is made under Rule 11(i) of the rules governing grant of Tatrakshak Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under Rule 13 in respect of Coast Guard personnel who have received the Tatrakshak Medal (Gallantry) award.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 86-Pres/2014-The President is pleased on the occasion of the Independence Day, 2014 to award the Tatrakshak Medal for Meritorious Service to the undermentioned officers :—

(i) Deputy Inspector General Naresh Kumar Kaul (0204-M)

(ii) Deputy Inspector General Kalpit Dikshit (0237-M)

2. The Tatrakshak Medal (Meritorious Service) award is made under 11(ii) of the rules governing grant of Tatrakshak Medal for Meritorious Service.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 87-Pres/2014- The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of Uttar Pradesh Police.

NAME & RANK OF THE OFFICER

Shri Abhay Narain Shukla
Inspector

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 22.06.2007, information about the presence of dreaded Pakistan trained terrorists of HUJI namely Jalaluddin and Naushad carrying lethal weapons and high explosives in Aminabad area of Lucknow city was received. They were to board a bus from Kaisarbagh bus stand in the night. Two teams under the leadership of Shri Avinash Mishra, Inspector STF and Shri B.M. Pal, SI reached Kaisarbagh at around 0015 hrs on 23.06.2007 to nab the terrorists. The first team took position at the southern tri-junction in front of the Residency and the other team was placed at the High Court tri-junction. After some time two persons carrying bags came by a rickshaw from the CMO office side. They got down the rickshaw. Shri Abhay Narain Shukla, Inspr, Shri Dharmesh Kumar Shahi, S.I. and other members of the first team moved cautiously towards them. They were exhorted to stop and surrender. One of them suddenly fired on the police party. Fortunately Shri A.N. Shukla, Insp & Shri D.K. Shahi, SI had a narrow escape. Both moved cautiously towards them in darkness. Both were within the firing range of the terrorists. They showed exemplary courage, sense of duty and also risked their lives. As the terrorist again fired on the police party, both the officers responded with controlled and calculated firing in self defence. It was clear by then that they were really dreaded terrorists and were armed with lethal weapons. The second team reached the spot for providing covering fire, if needed. Taking the advantage of prevailing darkness, using their vast experience Insp. A.N. Shukla and SI

D.K. Shahi approached towards the terrorists by risking their lives and showing great courage and valour with swiftness successfully nabbed both the dreaded terrorists. At that time, one of them was pulling the slide of a pistol and the other was taking out a loaded AK-47 from bag with an intention to open fire at the police party.

The details of recoveries made by the police are as under :—

1. One rifle AK-47, two magazine and 60 live Cartridges.
2. One Star Pistol 7.62 bore, 02 live Cartridges and 4 empty shells of 7.62 bore.
3. High explosive 9 Kg
4. 10 Detonator
5. 04 Timer alarm watch with 9 V Battery and wire
6. 20 Hand Grenade

In this encounter Shri Abhay Narain Shukla, Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under Rule 4 (i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 23/06/2007.

SURESH YADAV
OSD to the President

मुद्रण निदेशालय द्वारा, भारत सरकार मुद्रणालय, एन.आई.टी. फरीदाबाद में मुद्रित एवं प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली द्वारा प्रकाशित, 2014
PRINTED BY DIRECTORATE OF PRINTING AT GOVERNMENT OF INDIA PRESS, N.I.T. FARIDABAD AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 2014

www.dop.nic.in

DOPGIPF—[PART I —SEC.I]—75 Copies.